सतना
29 सितम्बर 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

आज माँ महागौरी का दिन

नवरात्रि का 8वां दिन माँ महागौरी को समर्पित है, जो देवी दुर्गा के आठवें स्वरूप हैं और उन्हें दुर्गाष्टमी या महा अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भक्त आत्मा और शरीर की पवित्रता प्राप्त करने, पिछले पापों को धोने और आध्यात्मिक शांति पाने के लिए माँ महागौरी की पूजा करते हैं। इस दिन कन्या पूजन भी किया जाता है, जिसमें युवा लड़कियों को देवी का अवतार मानकर पूजा जाता है।

लेह के लोग बोले- हमारी संस्कृति मिटा रहे बाहरी

चार दिन से पर्यटक नहीं आए, हर तरफ डर का माहौल

लेह, एजेंसी। बौद्ध भिक्षुओं का शांत शहर लेह इस बार अजीब सा सन्नाटा महसूस कर रहा है। बाजार बंद। सड़क किनारे खाली खड़ीं टैक्सियां। सूनी गलियां और हर 20 मीटर पर खड़े 5 से 7 सुरक्षा जवान।

एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही मैं ऐसी ही एक टैक्सी में बैठ गया। सवारी मिलने से ड्राइवर रिंगजिंग दिल से खुश तो थे, पर उनके चेहरे पर उदासी साफ झलक रही थी। उन्होंने पहली लाइन जो मुझसे कही, वो थी- हमारे लेह को किसकी नजर लग गई। ये कहते ही उनका गला भर आया।

मैंने बीते बुधवार को हुई हिंसा के बारे में पूछा तो रिंगजिंग बोले- हम सभी दुखी हैं और गुस्से में भी हैं। पहले भी न जाने कितने आंदोलन हुए, लेकिन यहां कभी गोली नहीं चली। हिंसा क्यों हुई, सब जानते हैं, लेकिन हम जैसे 4 परिवारों ने अपने बच्चों को खो दिया।

श्रीसीम यौन शोषण केस- चैतन्यानंद आगरा से गिरफ्तार

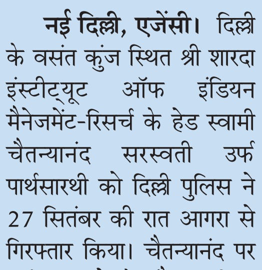

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट-रिसर्च के हेड स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी को दिल्ली पुलिस ने 27 सितंबर की रात आगरा से गिरफ्तार किया। चैतन्यानंद पर कई छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है।

चैतन्यानंद फरार था और उसकी आखिरी लोकेशन आगरा में मिली थी। दिल्ली पुलिस की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही थी। चैतन्यानंद को वसंत कुंज पुलिस स्टेशन लाया गया है, जहां पूछताछ जारी है।

दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद के पास से 2 फर्जी विजिटिंग कार्ड बरामद किए हैं। एक कार्ड में उसे संयुक्त राष्ट्र में स्थायी राजदूत और दूसरे में ब्रिक्स संयुक्त आयोग का सदस्य और भारत का विशेष दूत बताया गया है।

मन की बात का 126वां एपिसोड

सागर परिक्रमा करने वाली दो अफसरों की चर्चा

छठ पूजा-दिवाली का जिक्र, पीएम की त्योहारों में स्वदेशी खरीदने की अपील

● लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि ● भगत सिंह आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो शो मन की बात के 126वें एपिसोड में फेस्टिव सीजन, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल पर बात की। पीएम ने कहा- इस बार त्योहारों में स्वदेशी सामान ही खरीदें। ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे।

इसके अलावा पीएम ने दशहरा और छठ पर्व पर भी बात की। मोदी ने कहा- भारत सरकार छठ पर्व को यूनेस्को की लिस्ट में शामिल करने पर काम कर रही है। इसके बाद पूरी दुनिया में पर्व की भव्यता फैलेगी।

कार्यक्रम की शुरुआत, भगत सिंह- लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि पीएम ने कहा- आज लता मंगेशकर की जयंती है। भारतीय संस्कृति और संगीत में रूचि रखने वाला कोई भी उनके गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उनके गीतों में वो सब कुछ है जो मानवीय संवेदनाओं को झकझोरता है। मराठी सुगम संगीत की महान हस्ती सुधीर फड़के जी ने सबसे पहले लता दीदी से मेरा परिचय कराया था। मैंने लता दीदी को कहा कि मुझे आपका गाया गाना ज्योति कलश छलके बहुत पसंद है।

अमर शहीद भगत सिंह, हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणापुंज है। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूट कर भरी थी। देश के लिए फांसी के फंदे पर झूलने से पहले भगत सिंह जी ने अंग्रेजों को एक पत्र भी लिखा था। उन्होंने कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप मुझे और मेरे साथियों से युद्धबंदी जैसा व्यवहार करें। इसलिए हमारी जान फांसी से नहीं, सीधा गोली मार कर ली जाए। यह उनके अदम्य साहस का प्रमाण है। वोकल फॉर लोकल पर हम ठान लें कि इस बार त्योहार सिर्फ स्वदेशी चीजों से ही मनाएंगे, तो देखिएगा, हमारे उत्सव की रौनक कई गुना बढ़ जाएगी। वोकल फॉर लोकल को खरीदारी का मंत्र बना दीजिए। ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। जिसे देश के लोगों ने बनाया है, वही घर ले जाएंगे। जिसमें देश के किसी नागरिक की मेहनत है, उसी सामान का उपयोग करेंगे।

छठ पर्व पर हमारे पर्व, त्योहार भारत की संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं। छठ पूजा ऐसा एक पावन पर्व है जो दीवाली के बाद आता है।

बंगाल में दुर्गा पूजा पांडाल में ट्रंप को बनाया महिषासुर

पूजा समिति बोली- डॉनल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को धोखा दिया इसलिए वे राक्षस हैं

कोलकाता ,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बहरामपुर में खागड़ा क्रेमेटोरियम घाट दुर्गा पूजा समिति ने दुर्गा पूजा पांडाल में महिषासुर को डॉनल्ड ट्रंप का रूप दिया है। समिति ने बताया कि ट्रंप के रूप को इस वजह से चुना गया है क्योंकि वे मानते हैं कि ट्रंप ने भारत को धोखा दिया है।

समिति ने कहा कि भारत पर लगाए गए टैरिफ को वह एक धोखा मानते हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रंप को अपना मित्र समझते थे। महिषासुर को ट्रंप का रूप देने वाले कलाकार का नाम आसिम पाल है।

मेयर ने किया अनावरण - मूर्ति का अनावरण बहरामपुर नगरपालिका के मेयर नारण गोपाल मुखर्जी ने किया। उद्घाटन के बाद से ही मूर्ती को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

दरअसल, ट्रंप ने हाल ही में भारत पर कई टैरिफ लगाया है। इससे भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में टैक्स बढ़ गया है। इस वजह से अमेरिकी बाजार में भारतीय प्रोडक्ट्स की मांग कम हो गई है।

केरल को मिलेगा एम्स, लेकिन सही समय और स्थान पर

नड्डा बोले- केवल भाजपा ही विचारधारा आधारित पार्टी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को केरल को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) मिलने की पुष्टि की, लेकिन सही समय और सही स्थान पर। नड्डा ने दक्षिणी कोल्लम जिले में भाजपा राज्य समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य को एम्स मिलेगा, हालांकि लंबित मांग के विशेष विवरण पर कोई टिप्पणी नहीं की।

केरल में एम्स की स्थापना को लेकर लंबित बहस जारी है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि राज्य को एम्स से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री मंसुख मंडाविया और नड्डा ने इस मांग को सकारात्मक रूप से देखा है। केंद्रीय वित्त विभाग इस परियोजना पर विचार कर रहा है, और स्थान को लेकर बहस के कारण निर्माण रोकना उचित नहीं।

राजनीतिक दलों की वैचारिक स्थिति : नड्डा ने बैठक में कहा कि सभी राजनीतिक दल अपनी वैचारिक जमीन खो चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल भाजपा ही विचारधारा-आधारित और कैडर-आधारित पार्टी है। नड्डा ने कहा कि वामपंथ अब वामपंथ नहीं रहा, दक्षिणपंथ अब दक्षिणपंथ नहीं रहा। क्षेत्रीय दल पारिवारिक दल बनते जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर- कुपवाड़ा में सेना ने दो आतंकी ढेर किए,घुसैपठ की कोशिश कर रहे थे, 8 दिन में दूसरा एनकाउंटर

कुपवाड़ा, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। ये आतंकी LoC पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, शव LoC के बहुत करीब पड़े हैं। सीमा पार से गोलीबारी के खतरे को देखते हुए कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें निकालने का अभियान जारी है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पिछले 8 दिनों में सेना और आतंकवादियों के बीच यह दूसरा एनकाउंटर है। इससे पहले 20 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया था। वहीं एसपीओ समेत दो पुलिसकर्मी घायल हुए थे। मुठभेड़ दूदू-बसंतगढ़ और डोडा के भद्रवाह में सोजधार के जंगलों में हुई थी।

तलाक के लिए 42 फीसदी पुरुषों ने कर्ज लिया

67 प्रतिशत ने पैसे को लेकर बहस की बात मानी; यही अंतर तलाक की बड़ी वजह

मुंबई,एजेंसी। एक वित्तीय सलाहकार कंपनी के सर्वे में सामने आया कि शादी के बाद 42 प्रतिशत पुरुषों ने तलाक से जुड़े खर्चों के लिए कर्ज लिया। वहीं, 46 प्रतिशत महिलाओं ने सवेतन काम छोड़ दिया या कम कर दिया।

यह सर्वे 'वन फाइनेंस एडवाइजरी कंपनी' ने टियर-I और टियर-II शहरों में 1,258 तलाकशुदा या तलाक के लिए आवेदन कर चुके लोगों पर किया।सर्वे में बताया गया कि 29 प्रतिशत पुरुषों ने गुजारा भत्ता देने के बाद खुद को नकारात्मक निवल मूल्य की स्थिति में पाया। सर्वे के अनुसार, पुरुषों की सालाना आय का 38% हिस्सा भरण-पोषण में चला गया। तलाक से जुड़े खर्चों में 19% महिलाओं ने 5 लाख रुपए से ज्यादा खर्च किए। वहीं, 49 प्रतिशत पुरुषों ने भी इतना ही खर्च किया। 67% ने पैसे को लेकर बहस की बात मानी सर्वे में 67 प्रतिशत लोगों ने माना कि शादी के दौरान उनकी अक्सर पैसों को लेकर बहस होती थी। 43 प्रतिशत ने कहा कि वित्तीय विवाद या असमानता ही उनके तलाक का सीधा कारण बना। शादी के समय 56 प्रतिशत महिलाएं अपने पति से कम कमाती थीं। केवल 2% महिलाएं ही पति से ज्यादा कमाती थीं। पैसे का अंतर तलाक की बड़ी वजह वन फाइनेंस के सह-संस्थापक और सीईओ केवल भानुशाली ने कहा कि शादीशुदा पुरुषों और महिलाओं के बीच वित्तीय असंगति तलाक का बड़ा कारण होती है। अलगाव की लागत तनाव बढ़ाती है और अस्थिरता को जन्म देती है। इसलिए भावनात्मक तैयारी जितनी जरूरी वित्तीय तैयारी भी होती है। विशेषज्ञ बोले- वित्तीय स्थिति पर बात करना जरूरी विशेषज्ञों का कहना है कि शादी से पहले पैसे को लेकर खुलकर बात होनी चाहिए। मौजूदा कर्ज, भविष्य की बचत, दोनों के माता-पिता की जिम्मेदारी, आय की अनिश्चितता और जीवनशैली की अपेक्षाएं पहले ही तय कर लेनी चाहिएं। इससे रिश्ते में पारदर्शिता बनी रहती है और भविष्य में विवाद से बचा जा सकता है।

हैदराबाद में भारी बारिश, कॉलोनियां डूबीं, 1000 लोगों का रेस्क्यू

महाराष्ट्र के पालघर में बिजली गिरी, 6 घायल; मुंबई समेत 4 जिलों में रेड अलर्ट

नई दिल्ली / अहमदाबाद, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने रविवार को महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। यहां भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। पालघर में देर रात बिजली गिरने की घटना में 6 लोग घायल हो गए। वहीं हैदराबाद में 26 सितंबर को एक दिन में 194.1 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य 38.2 मिमी से 408त्न ज्यादा थी। लगातार बारिश और उस्मान सागर व हिमायत सागर से पानी छोड़े जाने के कारण मूसी नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। आसपास रिहायशी कॉलोनियों में पानी भर गया। 1000 लोगों का रेस्क्यू किया गया। इधर, पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा उत्सव पर भी बारिश का साया मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में नया लो प्रेशर क्षेत्र बनेगा, जिससे अगले सात दिन तक दक्षिण बंगाल के कई जिलों में बारिश होगी।

मुंबई में 100 मिमी तक बरसे बदरा, मराठवाड़ा में भी बारिश का कहर

सीएम ने राहत-बचाव की समीक्षा की

सितंबर का महीना खत्म होने वाला है, लेकिन महाराष्ट्र के तमाम जिलों में लौटते मानसून का कहर जारी है। मुंबई और आसपास के जिलों में शनिवार देर रात से मूसलाधार बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने रविवार के लिए मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में 100 मिमी से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है। भारी बारिश के कारण ठाणे में एक व्यक्ति नदी में बह गया। **मुंबई में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित :** शनिवार रात आधी रात के बाद मुंबई में तेज बारिश शुरू हुई। शुरुआती घंटों में बारिश की रफ्तार बहुत तेज रही, लेकिन रविवार तड़के इसमें थोड़ी कमी आई। अब शहर के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ बीच-बीच में तेज बौछारें पड़ रही हैं।

एटर विजय की रैली में भगदड़

टीवीके नेताओं पर एफआईआर ,पार्टी ने मद्रास हाईकोर्ट पहुंची, कहा- ये हादसा नहीं साजिश है, स्वतंत्र जांच हो

मरने वालों का आंकड़ा 40 तक पहुंचा

करूर, तमिलनाडु, एजेंसी। एक्टर विजय की रैली में भगदड़ में रविवार को मरने वालों का आंकड़ा 40 तक पहुंच गया है। इनमें 16 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। 95 लोग घायल हैं, 51 लोग ICU में भर्ती हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) के नेताओं के खिलाफ पुलिस FIR दर्ज कर ली है। उधर, पार्टी ने मद्रास हाईकोर्ट में इस मामले की जांच के लिए अपील की है। पार्टी ने कहा कि यह भगदड़ हादसा नहीं, साजिश है। हादसे के बाद गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है। एक्टर विजय ने पार्टी के X हैंडल से एक पोस्ट किया है, जिसमें लिखा- करूर में जो हुआ, उसका दुख बयां करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं मृतकों के परिजन को 20 लाख और घायलों को 2 लाख की मदद देना चाहता हूं। दरअसल, एक्टर विजय ने 2 फरवरी 2024 को टीवीके बनाई।

जांच आयोग के जरिये सामने आएगी सच्चाई, सख्त कार्रवाई करेंगे , करूर पहुंच कर बोले सीएम स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने करूर भगदड़ को लेकर कहा कि घटना की सच्चाई जांच आयोग के जरिये सामने आएगी। सच्चाई सामने आने के बाद सख्त कार्रवाई जरूर की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी मैं राजनीतिक मकसद से कुछ नहीं कहना चाहता हूं। करूर में शनिवार को तमिलनाडु वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली में भगदड़ मच गई। घटना में 39 लोगों की मौत हो गई। जिसके बाद, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन करूर के लिए रवाना हो गए। चेन्नई से त्रिची पहुंचने के बाद वह सड़क मार्ग से करूर पहुंचे। जहां पर उन्होंने भगदड़ की घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही पीड़ित परिवारों से मुलाकात भी की।

सच्चाई सामने आने पर की जाएगी सख्त कार्रवाई – इसके अलावा, सीएम सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भी पहुंचे, जहां पर उन्होंने घायलों से मुलाकात की। इस दौरान सीएम स्टालिन ने कहा, जांच आयोग के जरिये सच्चाई सामने आएगी। मैं राजनीतिक मकसद से कुछ नहीं कहना चाहता।

तमंचा दिखाकर वीडियो बनाने वाले युवक को पकड़ा

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी जिले की पुलिस ने सोशल मीडिया पर तमंचा दिखाकर वीडियो बनाने वाले युवक सुभाष मोहल्ला निवासी जमाल उर्फ जांबाज को पकड़ा है। पुलिस ने उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस और दो खाली खोखे बरामद किए हैं। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा था, जिसमें एक युवक अवैध हथियार के साथ हवा में फायरिंग कर रहा था। पुलिस ने वीडियो की जांच शुरू की और संदिग्ध की पहचान की। 26 सितंबर की देर रात सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके में जाल बिछाकर जमाल को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए वीडियो बनाता था।साथ ही, इलाके में अपना दबदबा कायम करने के लिए वह शौकिया तौर पर अपने पास हथियार रखता था। वहीं, पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसके पास हथियार कैसे आया।

ध्यानार्थ–टिहरी गढ़वाल के लिए उपयोगी आभूषण व नकदी लूट में घोषित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने सोने और हीरे के आभूषणों व नकदी की लूटपाट के मामले में घोषित बदमाश जावेद को 26 सितंबर को गिरफ्तार किया है। अदालत ने आरोपी को 24 फरवरी 2025 को घोषित अपराधी घोषित कर दिया था। सैयद नांगलोई दिल्ली निवासी जावेद उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल के चांदला गांव का रहने वाला है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार के अनुसार सात आरोपियों ने जनवरी 2020 में दिल्ली के अंबिका विहार स्थित घर में डकैती की साजिश रची। उनमें से आरोपी राजेश अंबिका विहार निवासी पीड़िता के यहां ड्राइवर के रूप में काम करता था। सीनियर सिटीजन महिला अकेली रहती हैं। उनके बच्चे ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं। 29 जनवरी 2020 को दोपहर करीब 1 बजे आरिफ, अख्तर, विनीत और मूलचंद गैस मीटर चेक करने के बहाने घुस गए। जावेद, राजेश और घनश्याम तिवारी निगरानी रखने के लिए बाहर रहे। आरोपियों ने घर के अंदर मकान मालकिन और उसकी नौकरानी को रस्सी से बांध दिया। आरिफ ने उन दोनों को बेहोशी की दवा दे दी थी। इसके बाद घर से 20 लाख मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण और 20,000 नकद लूट कर फरार हो गए थे। पश्चिम विहार पुलिस स्टेशन थाना पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। मुकदमा चलने के दौरान आरोपी जावेद को जमानत पर रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद वह फरार हो गया था। अदालत ने उसे 24 फरवरी 2025 को घोषित बदमाश करार दिया था।

आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी स्कूल में दाखिला की सूची जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए झड़ौदा कला स्थित शहीद भगत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी स्कूल में कक्षा नौवीं में दाखिले के लिए चयनित छात्रों की सूची जारी कर दी गई है। सूची में 72 छात्रों के नाम जारी किए गए हैं। इसकी सूचनी शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट https://www.edudel.nic.in/upload/upload_w®wz_w{/result_armsch_dt_w|®~w®wz.PDF लिंक पर उपलब्ध है। छात्रों को दाखिले के लिए 30 सितंबर से पहले रिपोर्ट करना होगा। आवासीय स्कूल में छात्रों को सेना में अधिकारी बनने के लिए तैयार किया जाता है। वर्ष 2022 में इस स्कूल की शुरुआत हुई थी।

अवैध पटाखे लेकर आए दंपती व बेटा गिरफ्तार

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट की पाबंदी के बावजूद लोग राजधानी में अवैध पटाखे बेचने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में पश्चिम जिला के स्पेशल स्टाफ ने राजौरी गार्डन इलाके में छापेमारी कर दंपती व उनके बेटे को भारी मात्रा में अवैध पटाखों के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 3580 किग्रा से अधिक पटाखे बरामद किए हैं। पकड़े गए अरोपियों की पहचान सुशील कक्कड़ (53), पत्नी उपासना कक्कड़ (50) और शिवम ककक‌ड़ (28) के रूप में हुई है।

जन सुविधाएं : नंदनगरी फ्लाईओवर की आज मिलेगी सौगात

ट्रैफिक जाम से होगी मुक्ति; मुख्यमंत्री करेंगी शुभारंभ

पूर्वी दिल्ली ,एजेंसी। गाजियाबाद से नंदनगरी होकर दिल्ली आवागमन करने वालों की राह रविवार से आसान हो जाएगी। लंबे समय से जाम से जूझ रहे लाखों लोगों को राहत मिलेगी। नंदनगरी, भोपुरा व गाजियाबाद से दिल्ली को जोड़ने वाला नंदनगरी फ्लाईओवर पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इसका उद्घाटन करेंगी।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों का कहना है कि करीब 1.4 किलोमीटर लंबे सिग्नल फ्री मार्ग पर गाजियाबाद से सिग्नेचर ब्रिज तक का सफर बेहद आसान होगा। हाई-मास्ट लाइट, सीसीटीवी कैमरे और आधुनिक बैरियर के साथ यह फ्लाईओवर तेज और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा। ये न केवल भारी वाहन बल्कि व्यस्त समय में नौकरी पेशा और छात्रों को भी जाम की परेशानी से राहत महसूस दिलाएगा। उद्घाटन के कार्यक्रम की अध्यक्षता पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा करेंगे जबकि विशेष अतिथि के रूप में उत्तर पूर्वी जिले के एमपी मनोज तिवारी मौजूद रहेंगे।

लागत का बड़ा हिस्सा सुरक्षा पर खर्च किया: इस मार्ग पर नंदनगरी, गोकुलपुरी और भजनपुरा जैसे प्रमुख जंक्शन आते हैं जहां अक्सर ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है। फ्लाईओवर शुरू होने से इन इलाकों में रोजाना आवाजाही करने वाले यात्रियों व गाजियाबाद से दिल्ली आने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। निर्माण में लागत का बड़ा हिस्सा यातायात सुधार और सुरक्षा पर खर्च किया गया है। फ्लाईओवर पर हाई-मास्ट लाइट, सीसीटीवी कैमरे और आधुनिक बैरियर लगाए गए हैं ताकि दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। इसके अलावा फ्लाईओवर से जुड़ने वाली सर्विस लेन और अंडरपास का काम भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

बीते माह प्रवेश वर्मा ने किया था निरीक्षण: बीते माह पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने फ्लाईओवर का निरीक्षण कर कहा था कि इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के दिन जनता को समर्पित किया जाएगा। वजीराबाद रोड (मंगल पांडे रोड) से लेकर गाजियाबाद बॉर्डर तक बनने वाला यह फ्लाईओवर पूरी तरह सिग्नल फ्री मार्ग उपलब्ध कराएगा। फ्लाईओवर सिंगल पिलर पर बनाया गया है। निर्माण कार्य में पेड़ों के स्थानांतरण और अनुमति संबंधी बाधाओं के कारण कुछ देरी भी हुई लेकिन अब यह परियोजना पूरी तरह पूरी हो चुकी है।

सिग्नेचर ब्रिज से गाजियाबाद तक का मार्ग अब तेज और सुरक्षित आवाजाही के लिए पूरी तरह तैयार है।

लाखों लोगों को होगा फायदा: अधिकारियों के अनुसार, नंदनगरी फ्लाईओवर से गोकुलपुरी, भजनपुरा और आसपास की कॉलोनियों के लाखों लोग प्रतिदिन लाभान्वित होंगे। रोजाना कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, छात्र और भारी वाहन अब जाम से बचकर तेज और सुरक्षित आवाजाही कर पाएंगे। गाजियाबाद से दिल्ली तक आवागमन करने वाले यात्रियों को भी वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। यह फ्लाईओवर मंडोली जेल परिसर से गगन सिनेमा तक फैला हुआ है। इसके तहत छह यू-टर्न बनाए गए हैं जिससे आसपास की कॉलोनियों के लोग आसानी से सड़क पार कर सकेंगे।

मार्च तक बनेगा राजपूताना राइफल्स के सामने एफओबी: दिल्ली छावनी और रिंग रोड को जोड़ने के लिए शनिवार को राजपूताना राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के सामने फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) की आधारशिला रखी गई। इसका सेवा पखवाड़े के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिलान्यास किया। उन्होंने सेना के जवानों को भरोसा दिया कि इसे 180 दिन के भीतर बना दिया जाएगा।

दिल्ली सरकार ये एफओबी खासकर जवानों की सुविधा व सुरक्षा के लिए बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों से जवानों को इस जगह पर रिंग रोड पार करने में तकलीफ हो रही थी। उनकी सरकार को जैसे ही इसकी जानकारी मिली बिना देरी के ब्रिज बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई। अब निर्माण शुरू हो गया है। इसमें देरी या फंड की कमी नहीं होगी। काम रिकॉर्ड समय में पूरा होगा। वे काम की निगरानी करेंगी। शिलान्यास कार्यक्रम में सांसद बांसुरी स्वराज, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, एवीएसएम, वीएसएम लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार आदि मौजूद रहे।

सेना का काम सबसे पहले करेंगे: मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों को संकरे और बरसात के दिनों में जलभराव वाले अंडरपास से होकर गुजरना पड़ता है या लंबा चक्कर लगाकर धौलाकुआं सबवे से जाना पड़ता है। ये असुविधाजनक व असुरक्षित है। आधुनिक डिजाइन से बन रहे एफओबी से कठिनाई खत्म होगी। वीर जवानों की सुरक्षा व सम्मान हमारे लिए सबसे बड़ा विषय है। दिल्ली सरकार सेना कैंपों व छावनी की किसी भी समस्या को पहले हल करेगी।

नवरात्र में फलाहार पर महंगाई की मार : सेब, अनार, केला और नारियल... फलों के दामों में 25-35 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि के पवित्र पर्व में दिल्ली भक्ति और उत्साह के रंग में रंगा है। मां दुर्गा की आराधना में डूबे भक्तों के चेहरों पर जहां आस्था की चमक है, वहीं बाजारों में फलों की आसमान छूती कीमतों ने उनकी जेब पर भारी बोझ डाल दिया है। सेब, अनार, केला और नारियल जैसे फलों के दाम 25 से 35 फीसदी तक बढ़ गए हैं, कुछ तो लगभग दोगुने हो चुके हैं।

दिल्ली की सभी मंडियों में फलों के दाम एक जैसे ही है। सेब की कीमत 80 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गई, अनार 100 से 150 रुपये महंगा हो गया और केला व नारियल जैसे रोजमर्रा के फल भी अब जेब काट रहे हैं। बाजारों में मोलभाव की कोशिश करने वाले ग्राहक निराश हैं। डिस्काउंट के नाम पर विक्रेता सिर्फ पांच से 10 रुपये कम करने को तैयार हैं, लेकिन इससे आम ग्राहक को खास राहत नहीं मिल पा रही है। लोग काफी देर तक मोल भाव करते हैं, पर अंत में निराश होकर कम मात्रा में फल खरीदते या बिना खरीदे लौट जाते हैं।

गड़बड़ा रहा घर का बजट: ओखला मंडी में फल खरीदने आई गुंजन ने बताया कि वह हर साल व्रत रखती है। ऐसे में पूजा के लिए सेब और अनार जरूरी हैं, लेकिन इस बार 300 रुपये किलो अनार देखकर पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने बताया कि यह दाम ऑनलाइन मिल रहे फलों को भी टक्कर दे रहा है। उनके घर का बजट गड़बड़ा गया है। वहीं, नेहरू प्लेस के विनोद ने बताया, बाजार में अमरूद 100 रुपये किलो बिक रहा है, नवरात्रि से पहले यह 70 से 80 रुपये में मिल रहा था। उन्होंने बताया कि व्रत में फलाहार के लिए इतना खर्च करना मुश्किल हो रहा है। फल विक्रेताओं का कहना है कि नवरात्रि में हर साल फलों के दामों में इजाफा होता है, लेकिन इस साल की बारिश, आपूर्ति में कमी और बढ़ती मांग से कीमतों में लंबा उछाल हुआ है। ऐसे में आम आदमी के लिए रोजाना फल खरीदना अब जेब पर भारी पड़ रहा है।

बारिश की वजह से आपूर्ति बहुत कम हुई: नवरात्रि में मांग तो बढ़ती है।

पिटाई से आहत युवक ने मां को किया वीडियो कॉल और सिग्नेचर ब्रिज से लगा दी छलांग; दो दिन बाद मिला शव

दिल्ली ,एजेंसी। रोडरेज में हुई पिटाई से आहत युवक ने मां को वीडियो कॉल कर बृहस्पतिवार देर रात सिग्नेचर ब्रिज से छलांग लगा दी। परिजन सिग्नेचर ब्रिज पर पहुंचे तो वहां पहले से पुलिस मौजूद थी। छलांग लगाने से पहले युवक ने अपना मोबाइल फोन पुल की मुंडेर पर रख दिया था। दो दिन चले सर्च ऑपरेशन के बाद शनिवार को युवक का शव आईटीओ से बरामद हुआ। मृतक की शिनाख्त सुमित शर्मा (22) के रूप में हुई है।

छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि बृहस्पतिवार रात को दयालपुर थाना क्षेत्र के सादतपुर में उसकी बाइक एक युवक की बाइक से टच हो गई थी। इसी बात पर आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी पिटाई कर दी। इससे सुमित बुरी तरह आहत हो गया। वह रोता हुआ भाई के पास पहुंचा और बाइक खड़ी कर वहां से निकल गया। देर रात उसने सिग्नचेर ब्रिज से छलांग लगा दी। सुमित की मौत के बाद परिवार ने इंसाफ की गुहार लगाई है। तिमारपुर पुलिस का कहना है कि चूंकि रोडरेज की वारदात दयालपुर इलाके में हुई थी, वहीं की पुलिस मामले की जांच करेगी। सुमित एलईडी बनाने की एक फैक्टरी में काम करता था। उसके भाई बंटी ने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब 9.30 बजे वह सादतपुर से गुजर रहा था। इस बीच माता वाली गली में उसकी बाइक एक अन्य युवक की बाइक से टच हो गई। इस बात पर आरोपी अपने साथी बुलाकर सुमित को बंधक बना लिया। बाद में उसकी जमकर पिटाई कर बाइक छीन ली।

अमेरिका ने गाजा में शांति के लिए खींचा खाका

इस्राइल हटेगा, हमास को छोड़ने होंगे हथियार

वॉशिंगटन, एजेंसी। गाजा में चल रहे युद्ध को खत्म करने और भविष्य में फलस्तीनी राज्य का रास्ता बनाने के लिए अमेरिका ने 21 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पेश किया है। इस योजना के तहत इस्राइल को गाजा से अपनी सेना हटानी होगी और हमास को पूरी तरह से निरस्त्र होना पड़ेगा। इसके साथ ही सभी बंधकों की रिहाई, गाजा के पुनर्निर्माण और वहां के निवासियों को विस्थापित न करने जैसी अहम बातें शामिल हैं।

यूएनजीए में अमेरिका ने साझा किया दस्तावेज: यह दस्तावेज अमेरिका ने इस हफ्ते न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के सत्र के दौरान कुछ अरब और मुस्लिम देशों के साथ साझा किया। इस योजना को खास बनाने वाली बात यह है कि इसमें गाजा के लोगों को वहीं रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। यह अमेरिकी नीति में बड़ा बदलाव है क्योंकि फरवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका गाजा को अपने नियंत्रण में लेकर वहां के करीब 20 लाख लोगों को स्थायी रूप से कहीं और बसाएगा।

ट्रंप की योजना में फलस्तीनी राज्य का जिक्र :इसके अलावा, योजना में भविष्य के फलस्तीनी राज्य का जिक्र भी है, जबकि ट्रंप प्रशासन ने अब तक दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन नहीं किया था। इस प्रस्ताव में इस्राइल के लिए भी कई फायदे हैं, जैसे हमास का पूरी तरह से निरस्त्रीकरण, गाजा को आतंक मुक्त क्षेत्र में बदलना और वहां के लोगों को चरमपंथी विचारधारा से दूर करने की प्रक्रिया शुरू करना।

नेतन्याहू ने जताया कड़ा विरोध: उधर, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। उन्होंने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, 7 अक्तूबर के हमले के बाद येरुशलम से एक मील दूर फलस्तीनी राज्य बनाना वैसा ही है जैसे 9/11 के बाद न्यूयॉर्क से एक मील दूर अल-कायदा का राज्य बना देना। यह पूरी तरह पागलपन है, और हम इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

ट्रंप की उम्मीदें बरकरार: इस विरोध के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे लेकर आशा जताई। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि, पिछले चार दिनों से गहन वार्ताएं चल रही हैं और तब तक जारी रहेंगी जब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो जाता। सभी क्षेत्रीय देश इस प्रक्रिया में शामिल हैं। हमास भी बातचीत से पूरी तरह वाकिफ है और इस्राइल को भी हर स्तर पर जानकारी दी गई है।

क्या है ट्रंप का 21 सूत्रीय शांति प्रस्ताव

- गाजा को आतंक मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा, ताकि वह पड़ोसी देशों के लिए कोई खतरा न बने। गाजा का पुनर्निर्माण और विकास कार्य शुरू होगा, जिससे वहां के लोगों का जीवन बेहतर हो।
- जैसे ही दोनों पक्ष इस योजना को स्वीकार करेंगे, इस्राइल तुरंत सैन्य अभियान रोक देगा और चरणबद्ध तरीके से गाजा से सेना हटाएगा।
- इस्राइल के सार्वजनिक रूप से योजना स्वीकार करने के 48 घंटे के भीतर सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा।
- बंधकों की रिहाई के बाद इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों, 1000 से अधिक हिरासत में लिए गए गाजावासियों और फलस्तीनियों के शवों को लौटाएगा।
- जो हमास सदस्य शांतिपूर्वक साथ रहने की शपथ लेंगे, उन्हें माफी दी जाएगी। जो बाहर जाना चाहेंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता और किसी इच्छुक देश में बसने की सुविधा मिलेगी।
- समझौते के बाद मानवीय सहायता गाजा में बड़े पैमाने पर भेजी जाएगी। रोजाना कम से कम 600 ट्रक राहत सामग्री पहुंचेंगे।
- सहायता सामग्री का वितरण संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रिसेंट जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की तरफ से किया जाएगा।
- गाजा का प्रशासन फलस्तीनी तकनीकी विशेषज्ञों के हाथों में होगा, जिसे एक अंतरराष्ट्रीय समिति की निगरानी में चलाया जाएगा।
- गाजा के लिए एक आर्थिक पुनर्निर्माण योजना बनाई जाएगी, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर पैदा हों।
- गाजा में विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित होगा, जहां करों में छूट और व्यापारिक सुविधाएं दी जाएंगी।

किसी भी निवासी को गाजा छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। जो बाहर जाएंगे, उन्हें वापस लौटने का अधिकार होगा।

जयशंकर ने यूएन प्रमुख गुटेरेस समेत कई वैश्विक नेताओं से की मुलाकात

भू-राजनीतिक स्थिति और सहयोग पर चर्चा

न्यूयॉर्क,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र के दौरान कई अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की। इनमें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल हैं। इन बैठकों में उन्होंने भू-राजनीतिक हालात और सहयोग पर चर्चा की।

जयशंकर ने अल्जीरिया के विदेश मंत्री अहमद अत्ताफ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत और अल्जीरिया की साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी अपने विचार साझा किए। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, अल्जीरिया के विदेश मंत्री अत्ताफ से मिलकर अच्छा लगा। साझेदारी मजबूत करने और पश्चिम एशिया पर चर्चा की।

उन्होंने सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग और क्षेत्रीय स्थिति पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, यूएनजीए में सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान से मुलाकात की। द्विपक्षीय सहयोग और क्षेत्र स्थिति पर चर्चा हुई।

यूएन में या बोले जयशंकर

दिन की शुरुआत में जयशंकर ने यूएनजीए के 80वें सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा अपना स्वतंत्र दृष्टिकोण बनाए रखेगा और वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों की आवाज बना रहेगा। उन्होंने कहा, भारत आज की दुनिया का सामना तीन प्रमुख सिद्धांतों के साथ करता है। पहला– आत्मनिर्भरता। दूसरा आत्मरक्षा– हम अपने लोगों की सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं, चाहे वो देश के भीतर हों या बाहर। इसका मतलब आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख, सीमाओं की रक्षा, वैश्विक साझेदारियां और प्रवासी भारतीयों की मदद है। और तीसरा– आत्मविश्वास। इसका मतलब है कि भारत अपनी स्वतंत्र सोच बनाए रखेगा और वैश्विक दक्षिण की आवाज बना रहेगा।

इन द्विपक्षीय बैठकों के अलावा जयशंकरने संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मिलकर खुशी हुई। यूएनजीए, यूएन एट 80, वैश्विक राजनीतिक, मौजूदा संकट और भारत के नजरिए पर चर्चा की।

विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएनजीए की अध्यक्ष अन्नालेना बेयरबॉक से भी मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, यूएनजीए की अध्यक्ष अन्नालेना बेयरबॉक से मिलकर खुशी हुई। भारत उनकी अध्यक्षता के लिए पूरा समर्थन देगा। भारत संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर उसे समय के अनुसार प्रासंगिक और प्रभावी बनाने की दिशा में काम करता रहेगा।

दिसंबर में भारत आएंगे पुतिन

लावरोव बोले : खतरे में नहीं दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि भारत और रूस के बीच आर्थिक साझेदारी खतरे में नहीं है। भारतीय प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने साफ कर दिया है कि भारत अपने साझेदार खुद चुनता है। लावरोव भारत पर रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से संभावित द्वितीयक प्रतिबंध लगाने के सवाल का जवाब दे रहे थे।

लावरोव ने आगे कहा, यदि अमेरिका के पास भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार को समृद्ध करने के प्रस्ताव हैं, तो वे इसके लिए शर्तों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, चाहे अमेरिका जो भी शर्तें रखे। लेकिन जब बात भारत और तीसरे देशों के बीच व्यापार, निवेश, आर्थिक, सैन्य, तकनीकी और अन्य संबंधों की आती है, तो यह ऐसी चीज है जिस पर भारत केवल संबंधित देशों के साथ ही चर्चा करेगा।

भारत और रूस संबंधों पर लावरोव ने कहा, हम भारत के राष्ट्रीय हितों का पूरा सम्मान करते हैं और पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा इन हितों को बढ़ावा देने वाली विदेश नीति का भी। हम उच्चतम स्तर पर नियमित संपर्क में रहते हैं।

महंगाई से त्रस्त ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध लागू बंद हुए हथियार सौदे और फ्रीज हुई संपत्तियां

दुबई, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर फिर से प्रतिबंध लगा दिए हैं। ये प्रतिबंध रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) से लागू हो गए। संयुक्त राष्ट्र के इस कदम से इस्लामी गणराज्य पर और दबाव बढ़ गया है, क्योंकि उसके लोग जीवित रहने के लिए आवश्यक खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों और अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।

इन प्रतिबंधों के तहत विदेशों में ईरानी संपत्तियों को फिर से फ्रीज किया जाएगा, हथियार सौदों पर रोक लगाई जाएगी, और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर भी रोक लगा दी जाएगी। इसके अलावा अन्य उपाय भी किए जाएंगे। यह कार्रवाई स्नैपबैक नामक व्यवस्था के तहत हुई है, जो विश्व शक्तियों के साथ ईरान के 2015 के परमाणु समझौते में शामिल थी।

ईरान के लोगों को फिर लड़ाई भड़कने की सता रही चिंता : पहले से कमजोर ईरानी अर्थव्यवस्था पर इसका बड़ा असर पड़ा है। ईरान की रियाल मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और खाने-पीने की चीजों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। मांस, चावल और दूसरी चीजें आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। वहीं, लोगों को डर है कि ईरान और इस्राइल व अमेरिका के बीच फिर से लड़ाई भड़क सकती है, क्योंकि जून में 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान जिन मिसाइल ठिकानों पर हमला किया गया था।

सिंगरौली में नाइट गश्त अभियान, 341 अपराधी गिरफ्तार

26 स्थाई वारंटियों सहित फरार बदमाशों को पकड़ा; पुलिस ने आरोपियों पर की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। पुलिस ने शनिवार रात जिले भर में नाइट कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने 341 बदमाशों और आरोपियों पर कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने बताया कि यह सख्त कार्रवाई आमजन में सुरक्षा का भरोसा जगाने और अपराधियों में भय का माहौल पैदा करने के उद्देश्य से एक साथ की गई है।

पुलिस ने 26 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया: इस अभियान के तहत, पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे 26 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त, 158 गिरफ्तारी वारंटियों को भी पकड़ा गया, जिन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस ने 72 निगरानी बदमाशों और 83 गुंडा बदमाशों की भी जांच की। आबकारी अधिनियम के तहत 2 अपराध दर्ज कर अवैध शराब जब्त की गई।

रात में बेवजह घूम रहे संदिग्ध और असामाजिक तत्वों पर भी कड़ी कार्रवाई की गई। साथ ही, बैंकों और एटीएम की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया गया।

विभिन्न थानों और चौकियों से फरार अपराधियों को गिरफ्तार किया: पुलिस ने कई वर्षों से फरार स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया है। इन वारंटियों में विभिन्न थानों और चौकियों से फरार लोग शामिल हैं। थाना वैढ़न से ओम प्रकाश साहू (6 वर्ष से फरार), गिरजा प्रसाद खैरवार (4 वर्ष से फरार) और लल्लू उर्फ नारायणदास साहू (4 वर्ष से फरार) को गिरफ्तार किया गया।

चौकी खुटार से नरेन प्रसादशाह (1 वर्ष से फरार) और गिरजा प्रसाद खैरखार (3 माह से फरार) को पुलिस ने पकड़ा। थाना विंध्यनगर से रविराज उर्फ मोनू (8 वर्ष से फरार) और चौकी जयंत से अम्बिकेश्वर द्विवेदी (6 वर्ष से फरार) को भी हिरासत में लिया गया।

थाना मोरवा से राजकमल पाल (13 वर्ष से फरार) और उपेन्द्र दुबे (3 वर्ष से फरार) तथा थाना बरगवां से रामनायक बैस और रमेश बैस (दोनों 10 वर्ष से फरार) को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, थाना माड़ा से कृष्णा (3 वर्ष से फरार) और थाना सरई से धीरेन्द्र त्रिपाठी (4 वर्ष से फरार) भी पुलिस की पकड़ में आए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन गिरफ्तारियों के बाद इलाके में कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हुई है।

वन कर्मचारी संघ का चुनाव संपन्न, समुन्दर सिंह जिलाध्यक्ष घोषित; डॉ. अनूप मिश्रा ने प्रमाण पत्र सौंप कर दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विनोद कुमार मिश्रा, जिला निर्वाचन अधिकारी और पंकज पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष म.प्र. वन कर्मचारी संघ भोपाल की मौजूदगी में रविवार को जिला काष्ठागार जमोड़ी में मतदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मतदाता सूची में अंकित वन विभाग के कुल 336 मतदाताओं में से 305 कर्मचारियों ने अपने मतों का उपयोग करते हुए समुन्दर सिंह को नए जिला अध्यक्ष के रूप में चयनित किया।

पंकज पाण्डेय ने चर्चा के दौरान बताया कि लगभग 25 वर्ष बाद सीधी में चुनाव प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसमें सभी ने पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए चुनाव संपन्न कराया। सभी साधुवाद के पात्र हैं।

उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश वन कर्मचारी संघ की जिला इकाई में कुल 336 मतदाताओं में से 305 लोगों ने अपने मतों का उपयोग किया, जिसमें 3 मत रिजेक्ट हो गए। प्राप्त कुल 302 मतों में समुन्दर सिंह ने 130 मत प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, कुलदीप श्रीवास्तव ने 108 मत प्राप्त कर द्वितीय स्थान, और संजय सिंह ने 64 मत प्राप्त कर तीसरे पायदान पर रहे।

मतदान संपन्न होने के उपरांत प्रमाण पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिले के वरिष्ठ चिकित्सक और समाजसेवी डॉ. अनूप मिश्रा उपस्थित रहे। उन्होंने नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष समुन्दर सिंह को प्रमाण पत्र वितरित किया और चुनाव आयोजन समिति के सदस्य विनोद मिश्रा एवं विश्वनाथ वर्मा को शाल एवं श्रीफल से सम्मानित किया।

कार्यक्रम के समापन पर श्री पाण्डेय ने सीधी, रीवा और भोपाल की टीम के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम एवं रैली आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा अभियान मनाया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह के कुशल निर्देशन में आयोजित इस अभियान के तहत नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने महाविद्यालय परिसर की सफाई करते हुए समाज को यह संदेश दिया कि हमें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए। यदि हम स्वच्छ रहेंगे तो कई बीमारियों से बचाव संभव है तथा पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सकता है।

इस आयोजन में नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सोनी एवं संयोजक लेफ्टिनेंट उमाकांत साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन इको क्लब प्रभारी डॉ. दिवाकर सिंह एवं जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. रविंद्रनाथ सिंह के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में योगदान दिया।

सीधी के पैपखरा गांव में घुसा चार फीट लंबा सांप

रसेल वाइपर को वन विभाग ने दो घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित जंगल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पैपखरा (बनिया टोला) से वन विभाग की टीम ने चार फीट लंबे रसेल वाइपर सांप का रेस्क्यू किया है। यह सांप शनिवार रात से गांव में देखा जा रहा था, जिससे ग्रामीणों में दहशत थी।

पूर्व सरपंच हरीश शर्मा और डॉ. मधुसूदन द्विवेदी ने इसकी सूचना जिला पंचायत सदस्य कृष्णलाल पयासी को दी, जिन्होंने तत्काल वन विभाग को सूचित किया। शनिवार देर रात वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन सांप को पकड़ने में सफल नहीं हो सकी।

डिप्टी रेंजर राजेश शुक्ला के नेतृत्व में चला रेस्क्यू ऑपरेशन: इसके बाद रविवार सुबह डिप्टी रेंजर राजेश शुक्ला के नेतृत्व में मझौली वन विभाग की टीम दोबारा मौके पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पांच वनरक्षकों को भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगाया गया। सघन तलाशी के दौरान टीम को चार फीट लंबा रेड वायपर सांप दिखाई दिया।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह सांप बेहद जहरीला होता है और छोटे जानवरों को निगलने की क्षमता रखता है। यह बच्चों और ग्रामीणों के लिए गंभीर खतरा बन सकता था। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सांप एक बार पकड़ में आने के बाद छूटकर भाग गया, लेकिन टीम ने प्रयास जारी रखे। करीब दो घंटे की मशक्कत और सावधानीपूर्वक प्रयासों के बाद सांप को सफलतापूर्वक काबू में कर लिया गया।

सफल रेस्क्यू के बाद ग्रामीणों ने ली राहत की सांस: रेस्क्यू के बाद रसेल वाइपर को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। इस कार्रवाई के बाद पूरे गांव ने राहत की सांस ली। पूर्व सरपंच हरीश शर्मा ने बताया कि यह सांप शनिवार रात से लगातार गांव में दिख रहा था और बच्चों के सामने भी आ जाता था, जिससे ग्रामीण दहशत में थे।

उन्होंने कहा कि यदि वन विभाग समय पर कार्रवाई नहीं करता तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। डिप्टी रेंजर राजेश शुक्ला ने बताया कि विभाग की टीम ऐसी स्थितियों में हमेशा तत्पर रहती है और तुरंत रेस्क्यू कर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

मेरी शाला बेस्ट शाला अभियान हेतु प्राचार्यों की बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी के निर्देशानुसार जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता में वृद्धि तथा शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मेरी शाला, बेस्ट शाला अभियान के क्रियान्वयन को लेकर 25 सितंबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 सीधी में जिले के सभी शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि 30 अक्टूबर तक प्रत्येक विद्यालय का परिसर साफ-सुथरा एवं सुसज्जित होना चाहिए। विद्यालयों में पुताई कार्य पूर्ण हो, शौचालय क्रियाशील रहें तथा छात्रों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डीपीसी राजेश तिवारी ने कहा कि मेरी शाला, बेस्ट शाला अभियान का क्रियान्वयन केवल हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी विद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में भी लागू किया जाएगा। एडीपीसी प्रवीण शुक्ल ने तिमाही परीक्षा परिणाम तीन दिवस के भीतर दर्ज करने, हरित विद्यालय अभियान, एक पेड़ माँ के नाम, इंस्पायर अवार्ड में 30 सितंबर तक नामांकन जैसे बिंदुओं पर चर्चा की।

एपीएस (रमसा) डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने रेमेडियल पुस्तक वितरण एवं प्रशिक्षण, विद्यांजलि पोर्टल, स्कूल मेंटरिंग, भारत - एक उभरती हुई अंतरिक्ष शक्ति, एक भारत श्रेष्ठ भारत, उमंग, उज्जवल, कल्चरल ट्यूनिंग, कर्मयोगी प्रशिक्षण और जादू नहीं विज्ञान है जैसे कार्यक्रमों पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं रामकृष्ण तिवारी ने सीएम हेल्पलाइन पर विद्यालय स्तर की भूमिका स्पष्ट की। बैठक में सहायक संचालक ट्राइबल दीपक निगम, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसीसी तथा जिले के प्राचार्य उपस्थित रहे।

मोरवा में छठघाट के पास मिला 10 दिन का नवजात, स्थानीय लोगों ने पुलिस को सौंपा; निर्दयी मां की तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के मोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मेढ़ौली आदर्श गंगा स्कूल छठ घाट के पास मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां सड़क किनारे कपड़े में लिपटा हुआ लगभग 10 से 12 दिन का एक नवजात बच्चा लावारिस हालत में मिला है। बच्चे को फिलहाल पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है और उस निर्दयी मां की तलाश शुरू कर दी है, जिसने मासूम को सुनसान जगह पर छोड़ दिया।

रोने की आवाज़ सुनकर पता चला: घटना स्थल के पास ही सुग्रीव दास का मकान है। सुग्रीव की पत्नी कोमल ने सबसे पहले बच्चे को देखा। कोमल ने बताया कि वह घर का काम कर रही थी, तभी उन्हें लगातार बच्चे के रोने की आवाज़ सुनाई दी। शुरुआत में उन्होंने ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब रोने की आवाज़ नहीं रुकी तो वह बाहर निकलीं। कोमल ने बताया कि जब वह सड़क किनारे पहुंचीं तो उन्हें कपड़े में लिपटा हुआ एक नवजात बच्चा मिला। स्थानीय लोगों ने पहले बच्चे को उठाया, घर ले गए, उसे नहलाया-धुलाया और साफ-सुथरे कपड़े पहनाए। इसके बाद उन्होंने तत्काल मोरवा थाना पुलिस को सूचना दी।

बच्चा स्वस्थ, जिला अस्पताल रेफर: सूचना मिलने पर मोरवा थाना प्रभारी उमेश प्रताप सिंह स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और नवजात को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। थाना प्रभारी उमेश प्रताप सिंह ने बताया, बच्चे के मिलने की सूचना के बाद हमारी टीम मौके पर गई थी और बच्चे को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बच्चा फिलहाल स्वस्थ है, फिर भी उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बैढ़न के लिए रेफर किया जा रहा है।

पुलिस अब उस अज्ञात महिला की तलाश में जुटी हुई है, जिसने बच्चे को यहां छोड़ा है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद ले रही है, ताकि कोई सुराग मिल सके। बहरहाल, इस तरह से सड़क किनारे नवजात मिलने से पूरे क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

महिला की मौत, झोलाछाप डॉक्टर क्लीनिक छोड़ फरार

परिजनों ने गलत इलाज का आरोप लगाया, पुलिस ने संभाला मोर्चा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बहरी थाना क्षेत्र में एक झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के दौरान 33 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी डॉक्टर अपना क्लिनिक छोड़कर फरार हो गया। परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही और गलत दवा देने का गंभीर आरोप लगाया है।

उल्टी दस्त से पीड़ित थी महिला: ग्राम कुंनझुन कला निवासी तैबूनिशा पति बदरुद्दीन को रविवार सुबह उल्टी-दस्त की शिकायत हुई थी। परिजन उन्हें ऑटो से मयापुर स्थित अवैध बंगाली डॉक्टर जेके विश्वास के क्लिनिक ले गए। डॉक्टर ने महिला को बोतल, इंजेक्शन लगाए और चाय-बिस्कुट भी दिए।

झूठा आश्वासन देता रहा डॉक्टर: इलाज के कुछ देर बाद ही महिला की तबीयत बिगड़ने लगी और शाम करीब 4 बजे उसकी मौत हो गई। मृतका के पति बदरुद्दीन ने बताया कि उन्होंने डॉक्टर से कहा था कि यदि हालत गंभीर है तो वे उन्हें जिला अस्पताल ले जाएंगे, लेकिन डॉक्टर ने आश्वासन दिया कि यह सामान्य है, दो-चार घंटे में ठीक हो जाएगी।

मौत के बाद डॉक्टर फरार: परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की लापरवाही और गलत दवा के कारण उनकी पत्नी की दो घंटे में ही जान चली गई। महिला की मौत के बाद क्लिनिक में हड़कंप मच गया। आरोपी डॉक्टर जेके विश्वास मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलने पर बहरी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को संभाला। सीधी जिला मुख्यालय के डीएसपी अमन मिश्रा ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है और जांच की जा रही है। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

दिव्यांग बच्चों हेतु शिविरों का आयोजन, मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड जारी किए जाएंगे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एस.बी. खरे ने बताया कि जिले के दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान एवं उन्हें त्वरित दिव्यांगता प्रमाण पत्र तथा यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध कराने के लिए जिलेभर में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए समस्त जनपद पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों में चिकित्सकीय परीक्षण हेतु मेडिकल बोर्ड की टीम का रोस्टर क्लस्टर एवं दिनांकवार निर्धारित किया गया है।

जारी आदेशानुसार डॉ. के.बी. प्रजापति (अस्थि रोग विशेषज्ञ) टीम के अध्यक्ष होंगे। टीम में डॉ. अविनाश जॉन धार्वे (मेडिसिन), डॉ. हिमेश पाठक (नाक, कान एवं गला रोग), डॉ. रविशंकर पटेल (मानसिक रोग), रामराज कुशवाहा (सहायक ग्रेड-3) एवं धीरेन्द्र कुमार अग्रहरि (कम्प्यूटर ऑपरेटर) शामिल रहेंगे।

जनपद पंचायत मझौली अंतर्गत 29 सितम्बर को छुही, 01 अक्टूबर को मड़वास, 03 अक्टूबर को टिकरी, 04 अक्टूबर को करमाई तथा 11 अक्टूबर को मझौली जनपद पंचायत परिसर में शिविर होंगे। जनपद पंचायत सिहावल अंतर्गत 13 अक्टूबर को सीएचसी अमिलिया, 15 अक्टूबर को सिहावल, 16 अक्टूबर को मंगल भवन बहरी, 17 अक्टूबर को नकझर कला एवं 22 अक्टूबर को कुबरी में शिविर आयोजित होंगे।

दिव्यांगजनों को साइकिल और लाभ प्रमाणपत्र वितरण, सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित; सांसद ने किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत रविवार को बिलौजी स्थित अटल बिहारी सामुदायिक केंद्र में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कृत्रिम उपकरण, पेंशन प्रमाणपत्र और साइकिलें वितरित की गई।

कार्यक्रम में एक दर्जन से अधिक दिव्यांगजनों को साइकिलें और कई लाभार्थियों को पेंशन सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस अवसर पर सीधी-सिंगरौली सांसद राजेश मिश्रा, कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे और विधायक राजेंद्र मेश्राम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध

सांसद राजेश मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर देशभर में सेवा पखवाड़ा अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सिंगरौली में दिव्यांगजनों को आवश्यक उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न योजनाएं चला रही है।

कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने जानकारी दी कि जिले में दिव्यांगजनों के लिए लगातार योजनाएं लागू की जा रही हैं। नगर निगम अध्यक्ष और विधायक ने भी ऐसे कार्यक्रमों को दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बताया।

कार्यक्रम में उपस्थित दिव्यांगजनों ने सरकार और जनप्रतिनिधियों की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सहयोग से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

बिहार की महिलाओं को 10-10 हजार की सहायता – चुनाव नजदीक आते ही यों याद आई मदद, सच में राहत या सिर्फ वोट पाने की चाल?

संपादकीय

बिहार सरकार ने चुनाव से पहले 75 लाख महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए ट्रांसफर किए। योजना के उद्देश्य और वास्तविक लाभ को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इस कवायद को चुनाव में एक बड़े वर्ग के मतदान के रुख को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

बिहार में पचहत्तर लाख महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपए भेजे जाने की पहल निश्चित रूप से राज्य की महिलाओं के सशक्तीकरण की प्रक्रिया को मजबूत करने की कोशिश है। मगर वहां विधानसभा चुनावों के दिन करीब आने के साथ ही जिस तरह इसकी घोषणा की गई, उसमें राजनीतिक लाभ उठाने की मंशा को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह छिपा नहीं है कि बिहार में रोजी-रोजगार की तस्वीर कैसी है और उसमें बड़े पैमाने पर गरीब तबकों के परिवारों को रोजमर्रा के खर्चे जुटाने के लिए कितने जतन करने पड़ते हैं।

मगर यह कोई आज अचानक उपजी स्थिति नहीं है। लंबे समय से बिहार में कमजोर तबकों के लोग रोजी-रोटी की उम्मीद में दूसरे राज्यों में जाते रहे हैं। ऐसे में यह समझा जा सकता है कि ज्यादातर गरीब परिवारों के लिए दस हजार रुपए की अहमियत क्या होगी और यह राशि मुहैया कराने वालों को वे किस रूप में देखेंगे। मगर इस सहायता राशि के लिए जो कसौटियां तय की गई हैं, उसमें इसका लाभ कितने वास्तविक जरूरतमंदों को मिलेगा, यह देखने की बात होगी। सवाल है कि बिहार सरकार को ठीक चुनावों से पहले महिलाओं की सहायता करने की सुध क्यों आई, जबकि एक बड़े तबके के बीच अभाव के हालात बहुत पुराने हैं।

यह बेवजह नहीं है कि इस कवायद को चुनाव में एक बड़े वर्ग के मतदान के रुख को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय राजनीति में यह प्रवृत्ति काफी तेजी से मजबूत होती दिखी है कि चुनावों के मौके पर अलग-अलग राजनीतिक दल आम लोगों को मुफ्त की सौगात देने का वादा करते हैं। सत्ताधारी पार्टी या गठबंधन के दलों को सुविधा यह होती है कि वे अपनी सरकार के जरिए समाज कल्याण के नाम पर लोगों को कोई तोहफा मुहैया कराने में सबसे आगे हो सकते हैं।

मगर इस क्रम में लोकतंत्र का जीवन मानी जाने वाली मतदान-प्रणाली को मुफ्त के आकर्षण से प्रभावित करने की कोशिश लगातार बढ़ती गई है। आम लोगों को मुफ्त की सौगात देकर उनका समर्थन हासिल करने की प्रवृत्ति पर सुप्रीम कोर्ट भी नाराजगी जता चुका है। इस चलन पर नैतिकता और औचित्य के सवाल उठते रहे हैं, लेकिन इसे रोकने के लिए कुछ भी ठोस होता नहीं दिखता।

सुरक्षा को लेकर सतर्कता से इनकार, प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर रहे राहुल गांधी

सुरेंद्र किशोर।

ताजा घटनाक्रम यह है कि वीवीआइपी सुरक्षा के प्रमुख ने राहुल गांधी द्वारा अपनी सुरक्षा को लेकर बरती जा रही लापरवाही के चलते कांग्रेस अध्यक्ष के साथ खुद राहुल गांधी को भी पत्र लिखा है। उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकाल का पालन करने की उनसे अपील की है। ध्यान रहे कि राहुल गांधी को जेड प्लस की सुरक्षा मिली है। पिछले दिनों खबर आई कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी सुरक्षा संबंधी प्रोटोकाल का पालन नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस ने इस संदर्भ में लिखी गई सीआरपीएफ की चिट्ठी की परवाह नहीं की, जबकि इतिहास में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने के भयावह नतीजे के कई उदाहरण मौजूद हैं। तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल के विशेष आग्रह के बावजूद महात्मा गांधी ने सुरक्षा प्रोटोकाल का पालन करने से मना कर दिया था।

30 जनवरी, 1948 को हुई उनकी हत्या से सिर्फ 10 ही दिन पहले प्रार्थना स्थल यानी बिड़ला भवन के पास बम विस्फोट हो चुका था। इसके बाद सुरक्षाकर्मी सतर्क हो गए थे। दिल्ली के स्थानीय एसपी ने गांधी जी के पास जाकर उनसे आग्रह किया था कि वे प्रार्थना सभा में आने वाले लोगों की तलाशी लेने की अनुमति दें, पर गांधी जी ?नहीं माने। उसके बाद इसी उद्देश्य से क्षेत्रीय डीआइजी गांधी जी से मिले। उन्होंने भी उनसे इसी तरह का आग्रह किया। फिर भी वे नहीं माने।

जब सरदार पटेल ने खुद महात्मा गांधी से मिलकर उनसे बात की तो गांधी जी ने धमकी देते हुए कहा कि यदि प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए बिड़ला भवन आने वालों की तलाशी होने लगेगी तो मैं आमरण अनशन शुरू कर दूंगा। इसके बाद सरदार पटेल भला क्या करते! इससे नाथूराम गोडसे को अपने लिए अनुकूल माहौल मिल गया। उसने गांधी जी की निर्मम हत्या कर दी, पर गांधी जी की हत्या के बाद क्या हुआ? जब यह खबर फैली कि एक चितपावन ब्राह्मण ने गांधी जी की हत्या कर दी है तो कांग्रेसियों और कुछ अन्य लोगों ने महाराष्ट्र में सैकड़ों चितपावन ब्राह्मणों का संहार कर दिया।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की भी ऐसी ही परिस्थितियों में हत्याएं हुई थीं। इन दोनों हस्तियों ने भी जानबूझकर अपनी सुरक्षा संबंधी नियमों का उल्लंघन किया। इंदिरा गांधी के समक्ष गांधी जी की हत्या का पूर्व उदाहरण था। राजीव गांधी के सामने गांधी जी और इंदिरा जी की हत्याओं के पूर्व उदाहरण थे। राहुल गांधी के समक्ष तो अपनी ही लापरवाही के कारण हो चुकी तीन-तीन हत्याओं के उदाहरण मौजूद हैं। यदि कई लोग कहते हैं कि इस देश के लोग इतिहास से नहीं सीखते तो ठीक ही कहते हैं।

इंदिरा गांधी की हत्या के बारे में बहुत सारी बातें कही गई हैं। रा के प्रधान रहे आरएन काव ने प्रधानमंत्री आवास के संतरी बेअंत सिंह के संदेहास्पद होने के बारे में सुरक्षा एजेंसियों को सचेत किया था। वे प्रधानमंत्री इंदिरा के वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकार भी थे। इसी आधार पर बेअंत का तबादला दिल्ली पुलिस की सशस्त्र इकाई में कर दिया गया। इंदिरा गांधी को जब यह पता चला कि उसकी अन्यत्र तैनाती हो गई है तो उन्होंने उसे वापस अपने आवास पर सुरक्षा में लगवा दिया। 31 अक्तूबर की उस काली सुबह प्रधानमंत्री पर सबसे पहले उसी ने गोलियां चलाई थीं। ऐसे ही सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते 21 मई, 1991 को तमिलनाडु के पेरंबदुर में एक मानव बम विस्फोट में राजीव गांधी की मौत हो गई। उस दिन के विस्फोट से पहले 'ब्लू बुक' में दर्ज राजीव गांधी की सुरक्षा के उपायों का पालन नहीं किया गया।

नियमों के तहत राजीव गांधी के पास जाने वालों की तलाशी होनी चाहिए थी, पर उस मानव बम की तलाशी नहीं हुई, क्योंकि खुद राजीव ने इसकी इजाजत सुरक्षाकर्मियों को नहीं दी। घटनास्थल पर तैनात पुलिस उपनिरीक्षक अनुसूया डेजी अर्नेस्ट ने मानव बम धनु को राजीव के पास पहुंचने से रोकने की एकाधिक बार कोशिश की थी, पर राजीव गांधी ने सुरक्षाकर्मियों से कहा कि 'सबको मेरे पास आने दो।'

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी न तो सदन के संचालन नियमावली का पालन करते हैं और न ही भाषण या बयान देने में कानूनी-गैर कानूनी टिप्पणियों का लिहाज करते हैं। नतीजतन वे तमाम कानूनी परेशानियां झेल रहे हैं। यहां तक कि अपनी निजी सुरक्षा के प्रति भी वे लापरवाह हैं।

सितंबर 2025 में आयोजित व्याख्यानमाला के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स्) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज महिलाओं की भागीदारी समाज और राष्ट्र निर्माण में पहले से कहीं अधिक आवश्यक है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि स्त्री-शक्ति केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में भी उसकी बराबरी की भूमिका होनी चाहिए। भागवत ने कहा कि मातृशक्ति के बिना राष्ट्र अधूरा है। उन्होंने इस पर ज़ोर दिया कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदा पूजनीय और निर्णायक स्थान दिया गया है, इसलिए संघ परिवार की शाखाओं और गतिविधियों में महिलाओं का सक्रिय योगदान भविष्य की दिशा तय करेगा।

संघ और स्त्रियाँः सेविका समिति से शतादी तक की यात्रा

डॉ प्रियंका सौरभ

भारत के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) एक महत्त्वपूर्ण संगठन के रूप में स्थापित है। 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित यह संस्था मूलतः पुरुष स्वयंसेवक के लिए बनी थी। इसकी शाखाओं, अनुशासन और विचारधारा ने धीरे-धीरे भारतीय राजनीति और समाज पर गहरा असर डाला। परन्तु जब हम महिलाओं की भूमिका की ओर देखते हैं, तो तस्वीर कुछ अलग मिलती है। आरएसएस के समानान्तर 1936 में जन्मी राष्ट्र सेविका समिति ने ही स्त्रियों के लिए रास्ता खोला। आज जब संघ अपनी शताब्दी मना रहा है, तब इस यात्रा पर नज़र डालना ज़रूरी है कि स्त्रियों की भागीदारी कहाँ से शुरू हुई और 2025 तक वह किस मुकाम तक पहुँची।

शुरुआती दौर- 1925 से 1936

संघ की स्थापना 1925 में नागपुर में हुई। यह संगठन अनुशासन, परेड, शाखा और राष्ट्रवाद पर आधारित था। लेकिन इसकी संरचना पुरुष प्रधान रही। हेडगेवार स्वयं मानते थे कि स्त्रियों को अलग मंच चाहिए, क्योंकि उस समय के सामाजिक परिवेश में स्त्रियों का सीधे पुरुष शाखाओं में आना सहज नहीं माना जाता था। इसी पृष्ठभूमि में 1936 में लक्ष्मीबाई केलकर ने विजयादशमी के दिन वर्धा में राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना की। हेडगेवार ने भी इस पहल का स्वागत किया और सुझाव दिया कि महिलाएँ अपनी संस्था चलाएँ, ताकि वे अपनी शक्ति, संस्कृति और नेतृत्व को स्वतंत्र रूप से विकसित कर सकें। इस तरह महिलाओं की भागीदारी औपचारिक रूप से शुरू हुई।

सेविका समिति की स्थापना और शुरुआती संघर्ष

1939 में पहली बार समिति ने प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया। धीरे-धीरे अलग-अलग प्रांतों में इसकी शाखाएँ बनने लगीं। समिति का उद्देश्य केवल राष्ट्रवादी विचार फैलाना नहीं था, बल्कि स्त्रियों में 'मातृत्व, कर्तृत्व और नेतृत्व' (मातृत्व, कर्त्तृत्व, नेत्रृत्व) जैसे गुणों का विकास करना भी था। इसमें शारीरिक प्रशिक्षण, योग, गीत, खेल, अनुशासन और समाज सेवा शामिल किए गए। आज़ादी के आंदोलन में भी समिति की महिलाओं ने परोक्ष रूप से भूमिका निभाई। परन्तु उनकी गतिविधियाँ मुख्यतः सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्रों तक सीमित रहीं।

1940 से 1970 का दशक- विस्तार की ओर

स्वतंत्रता के बाद के दशकों में समिति का नेटवर्क बढ़ा। लक्ष्मीबाई केलकर की मृत्यु (1978) तक संगठन कई राज्यों में फैल चुका था। उनके बाद सरस्वती आपटे प्रमुख संचालिका बनीं। इस समय तक शाखाओं की संख्या हज़ारों में पहुँच गई थी। समिति का जोर महिला शिक्षा, संस्कार, और सेवा परियोजनाओं पर रहा। आपातकाल (1975-77) में समिति से जुड़ी महिलाओं ने विरोध प्रदर्शनों में भी भाग लिया। इस दौर ने उन्हें राजनीतिक रूप से अधिक सचेत और सक्रिय बनाया।

1980-2000ः आधुनिकता और परम्परा का संगम

90 के दशक में जब भारतीय राजनीति में भाजपा और संघ परिवार का प्रभाव बढ़ने लगा, तो महिलाओं की भागीदारी भी चर्चा में आने लगी। समिति ने इस समय शहरी और पेशेवर महिलाओं तक पहुँच बनाने की कोशिश की। महिला शिक्षिकाएँ, चिकित्सक और नौकरीपेशा स्त्रियाँ समिति के कार्यक्रमों से जुड़ने लगीं। 1994 में उषाताई चाटे और 2006 में प्रमिलाताई मेढे प्रखर नेतृत्व के रूप में सामने आईं। इन नेताओं ने महिला शाखाओं को आधुनिक मुद्दों—जैसे कामकाजी महिलाओं की चुनौतियाँ, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार में संतुलन—से जोड़ा।

2012 से आगे- शांथक्का का नेतृत्व

2012 में वेंकट्रामा शांता कुमारी, जिन्हें लोकप्रिय रूप से शांथक्का कहा जाता है, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका बनीं। उनका जन्म 1952 में हुआ और वे लंबे समय से संघ परिवार के कार्य में सक्रिय थीं। उनके नेतृत्व में समिति ने अपना विस्तार और तेज़ किया। आज समिति के पास चार से पाँच हज़ार शाखाएँ हैं, जो लगभग 800 से अधिक जिलों में फैली हुई हैं। यद्यपि सटीक आँकड़े संगठन सार्वजनिक नहीं करता, लेकिन अनुमान है कि लाखों महिलाएँ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़ी हुई हैं। समिति शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, छात्रावास और महिला सशक्तिकरण परियोजनाएँ चला रही है। शहरी महानगरों में भी इसकी शाखाएँ सक्रिय हो रही हैं।

संघ और महिला प्रश्न

संघ के भीतर महिलाओं को औपचारिक सदस्यता या नेतृत्व स्थान नहीं दिया गया है। आरएसएस की शाखाएँ केवल पुरुषों के लिए ही हैं। महिलाएँ केवल समिति के माध्यम से संघ के विचारधारा संसार का हिस्सा बनती हैं। आलोचकों का कहना है कि यह व्यवस्था महिलाओं को मुख्यधारा से बाहर रखती है। वे पुरुषों के बराबर निर्णयकारी पदों पर नहीं पहुँच पातीं। परन्तु समर्थकों का मत है कि अलग संगठन होने से महिलाएँ स्वतंत्र रूप से नेतृत्व और गतिविधियाँ विकसित कर पाती हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई बार कहा है कि महिलाओं की भागीदारी प्राकृतिक रूप से बढ़ रही है। परन्तु अब भी नेतृत्व संरचना में असमानता साफ दिखाई देती है।

वर्तमान स्थिति (2025)

संघ अपनी शताब्दी मना रहा है। उसके लगभग 83,000 शाखाएँ देशभर में सक्रिय बताई जाती हैं। वहीं राष्ट्र सेविका समिति की शाखाएँ भी लगातार बढ़ रही हैं। समिति अब गाँवों के साथ-साथ महानगरों में भी काम कर रही है। इसके प्रशिक्षण वर्गों में स्कूली छात्राओं से लेकर पेशेवर महिलाएँ तक भाग ले रही हैं। 2025 में समिति का चेहरा परम्परा और आधुनिकता का मिश्रण है—जहाँ एक ओर मातृत्व और परिवार आधारित मूल्य हैं, वहीं दूसरी ओर समाज सेवा और महिला नेतृत्व के अवसर भी हैं। समिति ने लाखों महिलाओं को संगठित कर आत्मविश्वास और सामूहिकता दी। शिक्षा, सेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समाज पर ठोस असर पड़ा। महिलाओं को नेतृत्व और प्रबंधन का अवसर मिला। महिलाएँ संघ की मुख्य धारा (आरएसएस) में निर्णयकारी भूमिकाओं से बाहर रहीं। संगठन का वैचारिक ढाँचा महिलाओं को परम्परागत भूमिकाओं तक सीमित करता है। आधुनिक नारीवादी विमर्श से समिति का दृष्टिकोण टकराता है, क्योंकि वह स्वतंत्रता और समानता की बजाय मातृत्व और संस्कृति पर ज़ोर देती है। सितंबर 2025 में आयोजित व्याख्यानमाला के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स्) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज महिलाओं की भागीदारी समाज और राष्ट्र निर्माण में पहले से कहीं अधिक आवश्यक है। व्याख्यानमाला में यह भी कहा गया कि 2025 का भारत उस मुकाम पर खड़ा है, जहाँ महिला नेतृत्व केवल पूरक नहीं बल्कि निर्णायक भूमिका निभा रहा है। वक्ताओं ने यह भी जोड़ा कि आधुनिक शिक्षा, तकनीक और आर्थिक आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में महिलाएँ जिस तरह से आगे बढ़ रही हैं, संघ परिवार को भी उसी अनुरूप अपनी संरचना और कार्यपद्धति को और खुला बनाना होगा। व्याख्यानमाला में अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और विचारकों ने भी महिला नेतृत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे राष्ट्र सेविका समिति की महिलाएँ दशकों से शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में काम कर रही हैं। यह तर्क दिया गया कि यदि 1925 में संघ की नींव रखी गई थी, तो उसी दशक में महिलाओं के लिए समानांतर संगठन की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं की उपस्थिति को शुरुआत से ही महत्वपूर्ण माना गया।

1925 से 2025 की यात्रा दिखाती है कि संघ की विचारधारा से प्रेरित महिलाओं ने अपना अलग संगठन खड़ा कर लिया और उसे राष्ट्रीय स्तर तक फैलाया। लक्ष्मीबाई केलकर से लेकर शांथक्का तक यह सिलसिला निरंतर चला है। आज जब भारतीय समाज में महिलाएँ राजनीति, शिक्षा, व्यवसाय और सेना तक में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं, तब यह सवाल और महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि—क्या भविष्य में महिलाएँ सीधे संघ की शाखाओं और नेतृत्व में भी शामिल होंगी, या वे हमेशा समानान्तर संगठन तक ही सीमित रहेंगी संघ की शताब्दी महिलाओं की इस यात्रा का पड़ाव भी है—एक यात्रा जिसमें परम्परा, अ नुशासन, सेवा और नेतृत्व का संगम है, लेकिन समानता और सहभागिता की चुनौती अब भी शेष है।

पंजाब के टेंडी वाला और कालू वाला गांवों के अस्तित्व पर मंडराता संकट

पंजाब में आई भीषण बाढ़ का पानी जो घरों तक प्रवेश कर गया था, अब धीरे-धीरे उतर चुका है। अब यहां के हैरान परेशान ग्रामीण लोगों ने कुछ राहत की सांस लेनी शुरू कर दी है। जिन लोगों ने अपने घरों को छोड़कर रिश्तेदारों या फिर सुरक्षित स्थानों पर पनाह ली थी, अब शनै- शनै- अपने घरों की तरफ लौट रहे हैं। घर लौटते इन लोगों को अब अपने भविष्य की चिंता सता रही है। यहां उनकी धान की फसल लगभग तबाह हो चुकी है। कई लोगों के घर सतलुज में समा गए हैं ।अनेक पक्के घरों में दरारें आ चुकी है। बचे खुचे घर भी अब सुरक्षित नहीं रहे हैं। अधिकांश लोगों के घर अब रहने के लायक नहीं बचे हैं।

(सुभाष आनंद -विनायक फीचर्स)

इस पत्रकार ने टेडी वाला और कालू वाला गांवों का दौरा किया,हालत यह है कि भविष्य में इन दोनों गांवों का अस्तित्व खतरे में नजर आया, कालू वाला गांव जो जीरो लाइन पर बसा है लगभग एक टापू के सामान है। यहां कोई सड़क या रास्ता नहीं है,वहां पहुंचने के लिए कश्ती का सहारा लिया जाता है। कालू वाला तीन तरफ सतलुज दरिया से घिरा है ,चौथी तरफ पाकिस्तान की सीमा से जुड़ा है। गांव वालों ने बताया कि यहां पर 40 - 42 घर है, इनमें भी अधिकतर घर कच्चे थे जो पानी में बह गए हैं। गांव के प्राइमरी स्कूल की इमारत जरूर पक्की है। बाढ़ के दौरान लोगों ने इसी स्कूल की छत के ऊपर बैठकर गुजारा किया है। गांव की सारी धान की फसल खराब हो चुकी है। सतलुज दरिया निरंतर भूमि का कटाव कर रहा है। यदि यही स्थिति रही तो कालू वाला गांव का नामोनिशान मिट जाने की आशंका से इनकार भी नहीं किया जा सकता। गांव के कई लोगों की भूमि सतलुज दरिया में समा गई है। जिन लोगों ने अपनी जमीन पर खेती-बाड़ी की थी, उस भूमि को सतलुज दरिया अपने दामन में समा चुका है। यहां एक महीने बच्चे स्कूल नहीं जा सके ,उनकी पढ़ाई प्रभावित हो चुकी है, कई बच्चों की कॉपियां किताबें पानी में पूरी तरह तबाह हो चुकी है। गांव वालों की मांग है कि उन्हें प्लाट दिए जाएं ताकि ऊंची जगह पर वे अपना मकान बना सके और सुरक्षित रह सके।

वहीं टेडी वाला गांव जो सतलुज के बीचों-बीच बसा है ,यहां पर 100 से कुछ अधिक घर हैं । सभी घर छोटे-छोटे हैं। यहां पर छोटे किसान हैं, जिनमें से कई शहरों में मेहनत मजदूरी भी करते हैं। वहां के रहने वाले किसान जोगिंदर सिंह का कहना है कि हम चार भाइयों की 16 एकड़ जमीन थी ,12 एकड़ दरिया में समा चुकी है ,वहीं कई लोगों ने ठेके पर जमीन ले रखी थी वह भी पूर्ण रूप से तबाह हो चुकी है। गांव टेंडी वाला से सतलुज का बहाव दो-तीन किलोमीटर दूर था,लेकिन बाढ़ के बाद सतलुज का बहाव टेंडी वाला के बिल्कुल समीप आ चुका है। अगर अगली बार इसी प्रकार बाढ़ आई तो भविष्य में टेंडी वाला का नामोनिशान मिट जाएगा। अब सतलुज टेंडीवाला स्कूल से एक फ़लांग की दूरी पर बह रही है जो गांव वासियों के लिए खतरे की निशानी बन गया है। वही ,भूतपूर्व विधायक सुखपाल सिंह नन्नू ने बताया कि गांव टेंडीवाला में अधिकतर किसानों के पास कच्ची जमीन है ,अतः उन्हें मुआवजा मिलने की कोई संभावना नहीं है। स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल के शासनकाल में जमीनें पक्का करने का अभियान चलाया गया था,कुछ लोगों ने 50000 प्रति एकड़ में जमीन अपने नाम करवा ली थी ,लेकिन चुनाव नजदीक होने के कारण कांग्रेसी विधायक पिंकी ने ग्रामीणों से वादा किया कि यदि वह जीत गए तो बिना पैसे लोगों की जमीन पक्की करवा देंगे ,जिसके कारण अधिकतर लोगों ने 50 हजार रुपए प्रति एकड़ भरने से परहेज किया।

वही नन्नू कहते हैं कि यदि गांव के अस्तित्व को बचाना है तो सरकार को सतलुज के किनारे मजबूत बांध बनाने की जरूरत है, लोगों द्वारा बांधे गए मिट्टी के बांध इतने मजबूत नहीं है जो सतलुज के बहाव को रोक सकें। सतलुज दरिया का तेज बहाव उनको कभी भी किसी भी समय टक्कर मारकर नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि पंजाब को बाढ़ से बचाने के लिए जो सहयोग पंजाबियों ने किया उनकी प्रशंसा पूरे विश्व में हो रही है,लेकिन राज्य सरकार कहां है? आज भी पंजाब के मुख्यमंत्री और मंत्री लोगों के गुस्से का सामना कर रहे हैं। गांव टेंडी वाला में पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलवीर सिंह को जिस प्रकार जान बचाकर भागना पड़ा, यह दर्शाता है कि लोगों के मन में मंत्रियों के प्रति कितना गुस्सा है। बाढ़ प्रभावित टेडी वाला गांव के नौजवान अमृतपाल सिंह ,दिलबाग सिंह ,दलेर सिंह का कहना है कि फिरोजपुर, गुरदासपुर, तरनतारन,अमृतसर,फाजिल्का के सीमावर्ती क्षेत्रों में बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान हुआ है। पंजाब में 54 लोग मारे जा चुके हैं,हजारों मवेशी बाढ़ में बह चुके हैं। कई बच्चे अनाथ हो गए हैं, हजारों एकड़ फसल तबाह हो चुकी है,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंजाब का हवाई सर्वेक्षण करने के पश्चात 1600 करोड़ की राहत जारी करने की बात कही हैं जबकि पंजाब का नुकसान 20,000 करोड़ से भी ज्यादा हुआ है। बाढ़ प्रभावित लोगों ने अपनी दुःख भरी दास्तां सुनाते हुए कहा कि हमें अपने प्रिय लोगों का दाह संस्कार घरों की छतों के ऊपर करना पड़ा,पंजाबियों के हाथ जो सदैव लोगों की मदद के लिए उठते रहे हैं ,आज वह हाथ मांगते नजर आ रहे हैं। टेंडी वाला के लोगों ने बताया कि हम भारत-पाक युद्ध से नहीं डरते ,लेकिन हर वर्ष सतलुज का पानी हमें भयभीत करता है । सरकार सतलुज पर पक्के बांध नहीं बना रही है। अकाली दल - भाजपा गठबंधन की सरकार ,कांग्रेस और अब आम आदमी पार्टी की सरकार है किसी भी सरकार ने बांधों की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया । सिंचाई विभाग में बड़े-बड़े घोटाले इस बात का सबूत हैं कि दरियाओं और नहरों में जो काम किए जा रहे हैं वह सभी कागजों तक सीमित है,धरातल पर नहीं । यदि सतलुज दरिया इसी तरह उफनता करता रहा तो टेंडी वाला गांव को पूरी तरह अपने में शामिल कर लेगा और टेंडी वाला का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

राज्यपाल रमेन डेका ने तेजस्विनी छात्रावास का किया निरीक्षण

छात्रावास के लिए 2 लाख रूपये की सहायता राशि देने की घोषणा

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान नेहरू नगर स्थित तेजस्विनी छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास में अध्ययनरत बच्चियों से आत्मीय चर्चा की और उन्हें शिक्षा के साथ-साथ अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का बेहतर जरिया है। एक सच्चे नागरिक की पहचान उसके सोच और व्यवहार से होती है। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को समावेशी सोच के साथ जीवन यात्रा में आगे बढ़ना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने छात्रावास के विकास के लिए 2 लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की।

राज्यपाल श्री डेका ने छात्राओं से चर्चा करते हुए कहा कि जीवन में भौतिक सफलता के साथ-साथ बेहतर इंसान बनना सबसे जरूरी है। उन्होंने सभी छात्राओं से परिचय लेकर उनकी रूचि और भविष्य में वे क्या बनना चाहते हैं, इस संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने छात्राओं की शिक्षा, रहन सहन एवं अन्य आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि बच्चियों की शिक्षा, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता को लेकर शासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

छात्राओं ने राज्यपाल से खुलकर बातचीत की और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में छात्रावास की संचालिका सुश्री सुलभा देशपांडे ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि यहां 21 बच्चियां अध्ययनरत है। यहां गरीब और बेसहारा वर्ग की बच्चियों के निःशुल्क रहने और खाने की व्यवस्था की जा रही है। यहां की बच्चियां शहर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेज में अध्ययनरत हैं। उनकी पढ़ाई की व्यवस्था भी छात्रावास समिति द्वारा की जा रही है। इस अवसर पर कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह,नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल सहित छात्रावास समिति के सदस्य मौजूद थे।

व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच पहुँचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

जीएसटी बचत की ली जानकारी

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत बिश्रामपुर स्थित सतीश जनरल स्टोर और सूरजपुर के अशोक रेडियो सेंटर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उपभोक्ताओं और व्यापारियों से बातचीत कर जीएसटी दरों में आई राहत के लाभ को साझा किए। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लागू हुए जीएसटी सुधारों ने देश की कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया है। यह सुधार केवल आर्थिक दृष्टि से अहम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन की दिशा में भी एक बड़ा और सकारात्मक कदम है।

नई दरों को उपभोक्ताओं ने स्वागत योग्य बताते हुए कहा कि इससे उनके घरेलू बजट को सीधी राहत मिली है।

श्रमिकों अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें- मंत्री श्री टंक राम वर्मा

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, उच्च शिक्षा मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा के मुख्य आतिथ्य में साथ ही स्वच्छता सेवा पखवाड़ा उपलक्ष्य में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में श्रम विभाग, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, ई.एस.आई.सी, ईएसआईएस के संयुक्त प्रयासों से श्रमिक स्वास्थ्य जॉच शिविर का सफल आयोजन कृषि उपज मंडी प्रांगण सारंगढ़ में किया गया। मंत्री टंकराम वर्मा ने श्रमिकों हेतु आयोजित स्वास्थ्य शिविर की सराहना की और कहा कि श्रमिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहकर अपने स्वास्थ्य की जॉच कराते रहना चाहिए। सांसद जॉजगीर-चॉपा श्रीमती कमलेश जांगड़े, विधायक बिलाईगढ श्रीमती कविता प्राण लहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय भूषण पांडेय विशेष रूप से उपस्थित थे।

श्रमिक स्वास्थ्य जॉच और श्रम कार्ड पंजीयन शिविर का आयोजनः इस शिविर में श्रम कार्ड पंजीयन और नवीनीकरण कार्य लोगों ने कराया। वहीं लगभग 800 श्रमिकों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के अतिरिक्त रक्त चाप, मधुमेह, हिमोग्लोबिन एवं नेत्र परीक्षण जैसी विशेष जॉच भी की गई, जिससे उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन एवं उपचार संबंधी दिशा निर्देश दिया गया। यह कार्यक्रम श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं जागरूकता बढ़ाने की द्रष्टि से अत्यंत उपयोगी एवं सफल रहा।

श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को दिया गया चेकः कार्यक्रम में श्रम विभाग अंतर्गत संचालित योजना के तहत् लाभान्वित हितग्राहियों को चेक वितरण किया गया, जिसमें महतारी जतन योजना के तहत् 46 श्रमिकों को 9 लाख 20 हजार रूपए, निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत् 10 श्रमिकों को 10 लाख रूपए, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत् 06 हितग्राही को 1 लाख 20 हजार रूपए का चे शामिल है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत् 12 श्रमिकों को 64 हजार 500 रूपए एवं मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत् 11 श्रमिकों को 2 लाख 20 हजार का चेक प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

इस दौरान कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे पुलिस अधीक्षक आञ्जनेय वार्ष्णेय, के अतिरिक्त औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से राहूल पटेल, उप संचालक एवं सहायक, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के श्रमिक उपस्थित थे।

युक्तियुक्तकरण की पहल से बड़ादमाली प्राथमिक शाला में बच्चों की पढ़ाई में आई नई ऊर्जा

अभिभावकों ने जताया आभार

रायपुर। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए शिक्षक युक्तियुक्तकरण अभियान का असर अब गांव-गांव के स्कूलों में दिख रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले की प्राथमिक शाला बड़ादमाली में युक्तियुक्तकरण के तहत श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव को पदस्थ किया गया है। उनके आने से विद्यालय में अब कुल तीन शिक्षक जिसमें एक प्रधानपाठक और दो सहायक शिक्षक कार्यरत हैं। विद्यालय में लगभग 80 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिन्हें अब नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है। कभी बड़ादमाली प्राथमिक शाला में शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। बच्चों की संख्या के अनुपात शिक्षक को कई कक्षाओं का भार संभालना पड़ता था। परिणामस्वरूप बच्चों की शिक्षा में निरंतरता और गुणवत्ता दोनों प्रभावित हो रही थीं। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया ने इस समस्या को दूर किया है। विद्यालय में नए शिक्षक की पदस्थापना से बच्चों और उनके अभिभावकों में उत्साह है। अब प्रत्येक कक्षा में समय पर पढ़ाई हो रही है और बच्चों को व्यक्तिगत ध्यान भी मिल पा रहा है। अभिभावकों ने कहा कि तीन शिक्षक होने से बच्चों की पढ़ाई की गति बढ़ेगी और वे परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। प्रधानपाठक और अन्य शिक्षक भी बताते हैं कि अब कार्यभार संतुलित हो हुआ है, कक्षाओं का विभाजन से शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। इससे बच्चों को विषयवार शिक्षा मिला रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शिक्षक युक्तियुक्तकरण से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और प्रत्येक बच्चे तक समान रूप से शिक्षा का अधिकार मिला है।

बलौदाबाज़ार में होगा सायक्लोथॉन 2025 का आगाज़

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर बलौदाबाज़ार जिले में 28 सितम्बर 2025 को भव्य सायक्लोथॉन-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के राजस्व, आपदा एवं उच्च शिक्षा विभाग मंत्री श्री टंकराम वर्मा हरी झंडी दिखाकर सायक्लोथॉन का शुभारंभ करेंगे।

इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सांसद, विधायक, पूर्व विधायक एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इनमें प्रमुख रूप से सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, श्रीमती कमलेश जांगड़े, विधायक श्रीमती कविता प्राणलहरे, पूर्व विधायक श्री शिवरत्न शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला बलौदाबाज़ार-भाटापारा द्वारा किया जा रहा है।

सूरज की रोशनी से दिनकर का घर हुआ रोशन

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त कर रही है। इस योजना से रायगढ़ शहर के किरोड़ीमल नगर निवासी श्री दिनकर मिश्रा ऊर्जा आत्मनिर्भरता के प्रतीक बन गए हैं। उन्होंने योजना की सरल एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत अपने मकान की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किया है।

योजना की जानकारी प्राप्त होते ही उन्होंने तत्परता से आवेदन किया और सोलर सिस्टम लगवाया। अगस्त माह में सोलर पैनलों से 325 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिससे उन्हें 1,853 रुपए की छूट प्राप्त हुई और कुल बिल मात्र 296 रुपए आया। अब उन्हें विश्वास है।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल वृक्षारोपण और सायकल वितरण कार्यक्रम में हुए शामिल

मोहंदा गांव में सी सी रोड निर्माण एवं साइकिल स्टैंड हेतु 10-10 लाख रुपये की घोषणा की

रायपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री और महासमुंद जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल आज महासमुंद जिले के सराईपाली विकासखंड के ग्राम मोहंदा में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने स्कूल के बच्चों को साइकिल वितरण कर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहंदा के स्कूल परिसर में पीपल का पौधा रोपित किया। कार्यक्रम में सांसद श्रीमती रुपकुमारी चौधरी ने अशोक का पेड़ और विधायक श्री संपत अग्रवाल ने भी जामुन का पेड़ लगाया। मोहंदा गांव में सीसी रोड निर्माण हेतु और विद्यालय परिसर में साइकिल स्टैंड हेतु 10-10 लाख रुपये की घोषणा की।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह मातृ शक्ति के प्रति सम्मान का भी प्रतीक है। साइकिल वितरण को लेकर उन्होंने कहा कि यह बच्चों को स्कूल आने-जाने में सुविधा प्रदान करेगी और उनकी शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके पश्चात सेवा पखवाड़ा अंतर्गत हो रहे कार्यक्रमों की सराहना करते हुए आम जन से इस अभियान को सफल बनाने की अपील की। साथ ही उक्त अभियान में रक्तदान हेतु कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आएं। मंत्री श्री बघेल ने आम नागरिकों से प्रधानमंत्री श्री मोदी के जीएसटी बचत उत्सव और स्वदेशी को लेकर दिए गए संदेश को प्रचारित प्रसारित करने कहा ताकि ÷लोकल फॉर वोकल÷ की संकल्पना पूरी हो सके।

कार्यक्रम को सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी और विधायक श्री संपत अग्रवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री त्रिलोचन पटेल, श्री येतराम साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोंगरा पटेल, अध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीमती लक्ष्मी पटेल, कलेक्टर श्री विनय लंगेह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ट्रिपल-आईटी नवा रायपुर में डिजिटल उत्पादकता संवर्धन एवं एआई एकीकरण विषय पर प्रशिक्षण

जिम्मेदार प्रशासन को मजबूत करने के लिए डिजिटल प्रोडक्टिविटी पर जोर

रायपुर। नवा रायपुर स्थित ट्रिपल-आईटी में डिजिटल उत्पादकता संवर्धन एवं एआई एकीकरण विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राज्य सरकार की पहल पर मंत्रालय में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को आईटी एवं एआई की नवीनतम तकनीकों और अनुप्रयोगों का प्रशिक्षण देकर प्रशासनिक कार्यों की गति और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत, विशिष्ट अतिथि सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत थे, जबकि अध्यक्षता ट्रिपल-आईटी के डायरेक्टर प्रोफेसर डॉ. ओपी व्यास ने की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी अधिकारियों-कर्मचारियों को जिम्मेदार प्रशासन को मजबूत करने के लिए डिजिटल उत्पादकता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। पहले दिन प्रतिभागियों को MS Word, Google Docs, E&cel और Google Sheets के उन्नत फीचर्स, साथ ही डेटा मॉडलिंग के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कौशल उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है, जिससे व्यक्तित्व और कार्यसंस्कृति दोनों निखरते हैं। उन्होंने एआई-आधारित प्रशिक्षण को कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि में एक मील का पत्थर बताया और प्रतिभागियों से इसका पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव श्री राहुल भगत ने नागरिक-केंद्रित शासन में तकनीक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकारी कार्यकुशलता बढ़ाने में एआई टूल्स अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली का उदाहरण देते हुए कहा कि तकनीक का प्रभावी उपयोग शासन को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बना सकता है।

ट्रिपल-आईटी के डायरेक्टर प्रोफेसर डॉ. ओपी व्यास ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि एआई का स्मार्ट उपयोग करने के लिए हमें जागरूक और सतर्क रहना होगा। एआई के व्यवहारिक अनुप्रयोग से शुरुआत कर निरंतर सीखने की आदत हमें एआई से और अधिक फ्रेंडली बनाएगी।

स्वस्थ श्रमिक ही सशक्त समाज का आधार-राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

श्रमिक हित में सारंगढ़ में हुआ श्रम विभाग का कार्यक्रम

रायपुर। राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष एवं स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के अवसर पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के कृषि उपज मंडी प्रांगण में श्रम विभाग, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, ई.एस.आई.सी तथा ईएसआईएस के संयुक्त प्रयासों से श्रमिक स्वास्थ्य जांच एवं श्रम कार्ड पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा रहे।

मंत्री श्री वर्मा ने श्रमिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ श्रमिक ही सशक्त समाज का आधार हैं। शिविर में लगभग 800 श्रमिकों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण सहित रक्तचाप, मधुमेह, हिमोग्लोबिन और नेत्र संबंधी जांच की गई। श्रमिकों और आमजन के लिए निःशुल्क भोजन का भी प्रबंध किया गया था।

कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, पुलिस अधीक्षक आञ्जनेय वार्ष्णेय, सांसद कविता प्राण लहरे, विधायक संजय भूषण पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रमिक योजनाओं से हितग्राहियों को किया गया लाभान्वितः शिविर में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसमें महतारी जतन योजना के अंतर्गत 46 श्रमिकों को 9 लाख20 हज़ार रुपए,निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से 10 श्रमिकों को 10 लाख रुपए,मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना से 6 हितग्राही को 1 लाख 20 हज़ार रुपए,मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना से 12 श्रमिकों को 64,500 रुपए और मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना से 11 श्रमिकों को 2 लाख 20 हज़ार का लाभ दिया गया। इसके अतिरिक्त कई श्रमिकों को व्यक्तिगत रूप से भी आर्थिक सहायता मिली, जिनमें पीताम्बर बाई बरेठ, फुलबासन पटेल, जानकी पटेल, जोईधा साहू, तेरस बाई साहू सहित अन्य श्रमिक शामिल रहे। यह आयोजन श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

नगरीय निकायों में खुलेंगे आदर्श सुविधा केंद्र

पहले चरण में सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं में शुरू होगी सुविधा

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव की विशेष पहल पर केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य के नगरीय निकायों में आदर्श सुविधा केंद्र खोलने के लिए 50 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। पहले चरण में सभी 14 नगर निगमों और सभी 55 नगर पालिकाओं में ये केंद्र प्रारंभ किए जाएंगे। ये सुविधा केंद्र नागरिकों को विभिन्न तरह के प्रमाण पत्र और लाइसेंस प्राप्त करने तथा पंजीयन व शिकायत निवारण जैसी सेवाओं के लिए एकीकृत केंद्र की तरह काम करेंगे। भारत सरकार ने नगरीय निकायों से जुड़ी सभी तरह की सेवाओं पर आधारित आदर्श सुविधा केन्द्र खोलेने के लिए म्यूनिसिपल शेयर्ड सर्विसेस सेंटर (Municipal Shared Services Centre) के अंतर्गत सिटीजन एक्सपिरियंस सेंटर (Citizen E&perience Centre) के लिए यह राशि मंजूर की है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नगरीय निकायों में आदर्श सुविधा केंद्र स्थापित किए जाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव पर मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह पहल हमारी सुशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत हम प्रदेश के नागरिकों को पारदर्शी, समयबद्ध और सुगम सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध हैं। छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएँ और जीवन स्तर प्राप्त हो, यह हमारी सरकार का लक्ष्य है। आदर्श सुविधा केंद्र इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो नगरीय प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुसार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सुशासन की सरकार नगरीय निकायों के नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सुनियोजित कार्ययोजना बनाकर कार्य कर रही है। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) के माध्यम से केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा प्रदेश में सिटीजन एक्सपिरियंस सेंटर स्थापित करने के लिए म्यूनिसिपल शेयर्ड सर्विसेस सेंटर के अंतर्गत प्रस्ताव प्रेषित किया गया था। भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ के इस प्रस्ताव को स्वीकृति एवं अनुशंसा प्रदान करते हुए इसके लिए 50 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। ये सिटीजन एक्सपीरियंस सेंटर नगरीय निकायों से संबंधित सेवाओं (म्यूनिसिपल सर्विसेस) के लिए वन-स्टॉप हब के रूप में काम करेंगे। श्री साव ने प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करने के लिए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रदेश के नागरिकों को बधाई दी है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि आदर्श सुविधा केंद्रों (Citizen E&perience Centers) के माध्यम से ''वन स्टेट - वन पोर्टल'' सिंगल प्लेटफार्म की तर्ज पर नागरिकों को जन्म, मृत्यु, विवाह जैसे आवश्यक प्रमाण पत्र, व्यापार, वेंडिंग, विज्ञापन के लिए लाइसेंस सेवाएं, संपत्ति कर, जल/सीवरेज, ठोस अपशिष्ट सेवाएँ, नगर निगम संपत्ति बुकिंग के लिए पंजीकरण, शिकायत निवारण की सुविधा तथा डिजिटल समावेशन सेवाओं का लाभ सुलभ और समयबद्ध रूप से प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि ये केन्द्र नागरिक सेवाओं को सरल और मानकीकृत करने के साथ ही प्रशासनिक बाधाओं को भी दूर करेगी, जिससे लोगों और नगरीय निकायों के अधिकारियों के मध्य पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। इसके साथ ही यह पहल पूरे राज्य में समावेशिता को बढ़ावा देगी तथा इज ऑफ लिविंग (Ease of Living) में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करेगी।

क्या है आदर्श सुविधा केन्द्र : आदर्श सुविधा केन्द्र नगरीय निकायों में जनसुविधाओं से संबंधित समस्त सेवाओं के लिए एकीकृत केन्द्र की तरह कार्य करेगी। इस केन्द्र के माध्यम से नगरीय निकायों में नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज व सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रदेश में संचालित अन्य नागरिक सुविधा पोर्टल जैसे निदान-1100, मोर संगवारी, संपत्ति कर तथा नगरीय प्रशासन से संबंधित अन्य सेवाओं व सुविधाओं को भी आदर्श सुविधा केन्द्र के साथ जोड़ा जाएगा।

कैसे मिलेगी नागरिकों को सुविधाएः आदर्श सुविधा केन्द्र के माध्यम से सेवाएं प्राप्त करने के लिए नागरिकों को अपनी इच्छित सेवाओं से संबंधित आवेदन सुविधा केन्द्र में जाकर दर्ज/जमा करानी होगी। नागरिकों से प्राप्त आवेदन की प्रकृति एवं गुण-दोष के आधार पर नगरीय निकाय द्वारा आदर्श सुविधा केन्द्र के माध्यम से निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाएगा।

प्रदेश में अब तक 1126.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 1126.4 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1549.5 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 519.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 1021.8 मि.मी., बलौदाबाजार में 906.1 मि.मी., गरियाबंद में 1084.8 मि.मी., महासमुंद में 931.5 मि.मी. और धमतरी में 1050.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

रायसेन में गरबा उत्सव के बीच बारिश

युवतियों ने बारिश में किया डांडिया; इस साल अब तक 59 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज

रायसेन,एजेंसी। रायसेन में शनिवार रात 9 बजे तेज बारिश शुरू हुई। ताजपुर रोड स्थित ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के पंडाल में गरबा उत्सव का आयोजन जारी रहा। युवतियों और बालिकाओं ने पूरे उत्साह के साथ बारिश के बीच गरबा खेला।यह बारिश एक घंटे तक जारी रही। इससे पहले, रायसेन में 12 दिन बाद शनिवार सुबह हल्की बारिश हुई थी, जिसके बाद दिनभर आसमान में बादल छाए रहे।

सामान्य से अधिक बारिश दर्ज: बारिश से एक ओर धान की खेती करने वाले किसानों को फायदा हुआ है, वहीं दूसरी ओर दुर्गा पंडालों के आयोजकों के लिए कुछ चुनौतियां पैदा हुई हैं। बता दें कि रायसेन जिले में इस साल सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है। जिले की सामान्य बारिश 1197.1 मिलीमीटर है, जबकि इस साल 15 जून से अब तक 1500 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की जा चुकी है।

शाजापुर में कार ने 11-साल की बच्ची को मारी टक्कर

मदरसे से लौटते समय हादसा; घटना सीसीटीवी में कैद, चालक गिरफ्तार

शाजापुर, एजेंसी। शाजापुर-आगर मार्ग पर ग्राम देवबल्ड़ी में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने बालिका (11) को टक्कर मार दी। हादसे में बालिका घायल हो गई, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना सुबह लगभग साढ़े 7 बजे हुई। बालिका मदरसे से पढ़कर घर लौट रही थी। हादसा वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। फुटेज में दिख रहा है कि बालिका अपनी दो सहेलियों के साथ पैदल चल रही थी, तभी पीछे से आई सफेद कार (क्रमांक स्क्क 09 छ्स्र 9681) ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बच्ची सड़क पर गिर गई।

आसपास के लोगों ने बच्ची को जिला अस्पताल पहुंचाया: आसपास के लोगों ने तुरंत बच्ची को उठाया और शाजापुर के जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल बालिका की पहचान ग्राम भोपाखेड़ी निवासी आलिया के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि आलिया रोजाना मदरसे पैदल पढ़ने जाती थी।

घटना की सूचना मिलते ही लालघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने सफेद कार और उसके चालक को पकड़ा। कार में चार लोग सवार थे, जो नलखेड़ा से मां बगलामुखी के दर्शन कर महू लौट रहे थे। चालक को कार सहित गिरफ्तार कर लिया है।

शाकिर खान (पिता) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी आलिया अन्य बच्चों के साथ मस्जिद जा रही थी, तभी तेज चल रही कार ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शी रामसिंह गुर्जर और हरी प्रजापति ने बच्ची को उठाकर मदद की थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सतना में नायब तहसीलदार की पत्नी से ठगी

बाइक सवार 2 युवकों ने देवी मां के दर्शन का झांसा दिया, गहने लूटकर हुए फरार

सतना, एजेंसी। सतना जिले के नागौद कस्बे के सिविल लाइन क्षेत्र में रविवार सुबह नायब तहसीलदार राजेन्द्र मांझी की पत्नी विनीता मांझी से लूट हो गई। बाइक सवार दो युवकों ने उनकी कान की बाली, नाक की नथनी और मंगलसूत्र सहित गहने छीन लिए। आरोपियों ने महिला से आंख बंद कर 51 तक गिनती करने के लिए कहा। इसी दौरान वे गहने लेकर भाग निकले। घटना के बाद महिला ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

गहने उतरवाए, देवी दर्शन का झांसा दिया: जानकारी के अनुसार, विनीता मांझी रोजाना की तरह सुबह लगभग 6.30 बजे सैर पर निकली थीं। जब वह एसडीएम बंगले के पास पहुंचीं, तो दो युवक उनके पास आए और बातचीत करने लगे। महिला ने बताया कि युवकों ने सम्मोहन किया और देवी के दर्शन का झांसा देकर गहने उतरवा लिए। युवकों ने एक पत्ता लिया और उसमें कुछ डालकर सूंघाया, जिसके बाद उन्हें कुछ याद नहीं रहा।

घटना के समय वहां झाड़ू लगा रही एक महिला स्वीपर ने देखा कि विनीता असामान्य हालत में थीं और उनके चारों ओर तेज खुशबू थी। पूछने पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, इसलिए महिला ने इसे झाड़-फूंक का मामला समझकर वहां से दूर चली गई।

ऐसे दिया घटना को अंजाम: नायब तहसीलदार की पत्नी रविवार सुबह सैर कर रही थीं, तभी 30-35 साल का एक युवक बाइक से आया और महिला से बोला कि आप काफी परेशान लग रही हैं। तो विनीता ने बताया कि पहले परेशान थी अब नहीं है। इस पर युवक परेशानी दूर करने के लिए माता के दर्शन की बात कहने लगा। इसपर उन्होंने मना कर दिया। इसी दौरान एक दूसरा युवक पैदल आया और खुद के परेशान होने की बात कही।

महिला को दर्शन करने दूर भेजा, तभी गहने लेकर फरार हुए: बाइक सवार युवक ने दोनों को पास लगे पेड़ से 2-2 पत्ते तोड़ कर लाने को बोला। दोनों पत्ते तोड़कर ले आए तो महिला का विश्वास जीतने के लिए आरोपियों ने साजिश के तहत युवक का पर्स महिला के हाथ में दिला दिया और कुछ मंत्र जप किया। इसके बाद पत्ते तोड़कर आए युवक को बाइक सवार युवक ने 10 कदम आगे जा कर माता रानी के दर्शन कर के आने को बोला। युवक माता के दर्शन के लिए गया और लौट कर बताया कि दर्शन हो गए।

इसके बाद महिला को बोला गया कि सारे गहने उतार कर युवक के हाथ पर रख दो। महिला ने वैसा ही किया और 10 कदम जा कर लौट आई और बताई कि दर्शन नहीं हुए। जिसके बाद आरोपियों ने 51 तक गिनती गिनते हुये जाने को कहा और इस दौरान दोनों गहने लेकर फरार हो गए।

पोता-पोती के सामने दादी को कुल्हाड़ी से काटा

बच्चे डरकर कमरे में छिपे; जेठानी, उसके बेटों ने जादू-टोने के शक में महिला को छत से फेंका

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में एक महिला ने अपने दो बेटों से देवरानी की हत्या करवा दी। उसे शक था कि देवरानी जादू-टोना करती है। आरोपियों ने पहले महिला के पोते-पोतियों के सामने उस पर कुल्हाड़ी से वार किया। फिर छत से नीचे फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी जेठानी और उसके दोनों बेटों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना रावटी में 25 सितंबर की है। खुलासा दो दिन बाद शनिवार को हुआ। धन्नाबाई (55) भूरिया के परिवार में लगातार मौतें हो रही थीं। वहीं, उसकी देवरानी नानी बाई उर्फ नर्मदा भूरिया के परिवार में सबकुछ ठीक चल रहा था। जेठानी को लगता था कि देवरानी नानी बाई उसके परिवार पर जादू-टोना करती थी। वह उसे डायन कहती थी। गुरुवार रात जब नानी बाई अपने पोते-पोतियों के साथ छत पर सो रही थी, आरोपियों ने उस पर वार कर दिया। नानी बाई की मौके पर ही मौत हो गई।

दादी पर हमला, पोता-पोती डरकर भागे: जानकारी के अनुसार, भीमपुरा गांव में गुरुवार रात नानी बाई पोती लक्ष्मी (10), पायल (3), रानू (8), कानू (6) और बेटी मोनिका के साथ सो रही थी। इसी दौरान धन्नाबाई के दोनों बेटे छत पर आए और नानी बाई पर कुल्हाड़ी से

हमला कर दिया। बच्चों की नींद खुल गई। एक आरोपी ने पोती लक्ष्मी का गला दबाने की कोशिश की, लेकिन वो सभी बचकर भाग गए और घर में एक कमरे में जाकर छिप गए। इसी दौरान आरोपियों ने नानी बाई को छत से फेंक दिया। उसकी मौत हो गई।

सुबह धन्नाबाई के पास पहुंची पोती: बच्चे सुबह होने तक कमरे में ही छिपे रहे। सुबह पोती लक्ष्मी धन्नाबाई के पास गई और दादी की मौत की जानकारी दी। नानी बाई का शव घर के बाहर खून से लथपथ पड़ा था। इसकी जानकारी जेठानी धन्नाबाई ने घर के पास से गुजर रहे गांव के ही हरिराम को दी। हरिराम ने सरपंच लालसिंह भूरिया को सूचना दी। एएसपी राकेश खाखा, एफएसएल अधिकारी अतुल मित्तल, सैलाना एसडीओपी नीलम बघेल और रावटी थाना प्रभारी दीपक मंडलोई पहुंचे। पोस्टमॉर्टम के दौरान भी आरोपी जेठानी रतलाम मेडिकल कॉलेज में मौजूद थी। यहां उसने मीडिया से कहा था कि उसे मामले में कुछ नहीं पता।

पूछताछ में आरोपियों ने कबूल की वारदात: एसपी अमित कुमार ने एएसपी राकेश खाखा के नेतृत्व में जांच टीम बनाई। पुलिस टीम और फोरेंसिक अधिकारी ने जांच में पाया कि घर से कोई सामान चोरी नहीं हुआ है। इससे पुलिस को यकीन हो गया कि हत्या रंजिश के चलते हुई है। पुलिस ने परिजन और ग्रामीणों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि नानी बाई की हत्या उसकी जेठानी धन्नाबाई ने बेटे शंकर और बापू के साथ मिलकर की है।पुलिस ने धन्नाबाई और उसके दोनों बेटों से पूछताछ की, लेकिन वे कहानियां बनाने लगे। सख्ती करने पर बापू भूरिया टूट गया। उसने पुलिस को बताया कि नानी बाई का पति मजदूरी करने सूरत गया था। उसके दो बेटे और एक बेटी है, तीनों शादीशुदा हैं। बड़ा बेटा गुड्डू 10 दिन पहले मंदसौर के पिपलिया मंडी में पत्नी के साथ सोयाबीन काटने गया था। दूसरा बेटा अनिल भी मजदूरी के लिए राजस्थान के कोटा गया था। इसी का फायदा उठाकर नानी बाई की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी जेठानी धन्नाबाई (55), शंकर (36), बापू (32) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एक साल में परिवार में तीन मौतें: आरोपियों ने पुलिस को बताया कि 12 साल पहले धन्नाबाई के बड़े बेटे शंकर की पहली पत्नी गंगा बाई की मौत हुई थी। इसके पहले गंगाबाई का मिसकैरेज भी हुआ था। शंकर ने रेखा से दूसरी शादी की। इसी साल अगस्त में रेखा की भी मौत हो गई। आखिरी समय में उसने नानी बाई का नाम लिया था। एक साल के अंदर धन्नाबाई के पति बद्री भूरिया और ससुर मनजी भूरिया की भी मौत हो गई।

देवरानी के घर सब अच्छा था: बहू रेखा की मौत के बाद परिवार की आर्थिक हालात खराब होने पर धन्नाबाई उसकी अंतिम रस्म भी नहीं करा पाई। नानी बाई के परिवार में किसी को कोई बीमारी नहीं थी, जबकि धन्नाबाई के परिवार में लगातार बीमारी से मौतें हो रही थीं। इसी कारण उन्हें नानी बाई पर जादू-टोना करने का शक हुआ। धन्नाबाई के कहने पर नानीबाई को परिवार वाले हुसैन टेकरी भी ले गए थे। वो यहां कुछ दिन रही थी, लेकिन बहू रेखा की मौत के बाद आरोपियों ने उसकी हत्या का मन बना लिया था। वारदात के बाद आरोपी पुलिस से बोले कि डाकन को मार डाला। एसपी अमित कुमार ने बताया कि गांव में अंधविश्वास को लेकर संबंधित विभागों से समन्वय कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा।

परिजन ने हंगामा किया तो दर्ज हुआ अपहरण का केस

पिता बोले- कॉलेज गई बेटी को भगा ले गए तीन लड़के, भगवा जिहाद के आरोप लगाए

खंडवा,एजेंसी। खंडवा में 17 वर्षीय नाबालिग छात्रा के अपहरण के मामले में पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगे हैं। शुरुआत में थाना पिपलोद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर केस को दबाने की कोशिश की, लेकिन परिजन एसपी कार्यालय पहुंचे और हंगामा करने के बाद अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज हुआ। लड़की मुस्लिम समाज से है और ग्राम गुड़ी के टंट्या भील सरकारी कॉलेज में पढ़ती थी। पिता ने बताया कि 23 सितंबर को बेटी कॉलेज गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। सहपाठियों से पूछताछ करने पर पता चला कि वह कॉलेज से लौट गई थी। सीसीटीवी फुटेज में वह तीन लड़कों के साथ जाती दिखाई दी। परिजनों ने उन लड़कों की पहचान पुलिस को बताई।

एसपी कार्यालय में नारेबाजी, भगवा जिहाद का आरोप: नाबालिग के नहीं मिलने और पुलिस कार्रवाई न होने से मुस्लिम समाज के लोग शनिवार को एसपी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने भगवा जिहाद के आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। समाज के प्रतिनिधियों ने सीएसपी अभिनव बारंगे से मुलाकात कर टीआई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद शनिवार देर रात अपहरण का केस दर्ज हुआ।

दो युवकों को छोड़ा, मुख्य आरोपी फरार: आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में दो युवकों को थाने में बैठाया था, लेकिन बाद में छोड़ दिया। मुख्य आरोपी अब भी फरार है। इस ढिलाई से समाज में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग एसपी कार्यालय पहुंच गए और मांग की कि 24 घंटे में लड़की को सुरक्षित बरामद किया जाए और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

किराना दुकान में चोरी करने पहुंचा चोर, सीसीटीवी में कैद

सागर में भीड़ के बीच चावल की बोरी ले गया

सागर, एजेंसी। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र के बड़ा बाजार इलाके में दुकानों में चोरी करने वाला चोर पकड़ाया है। लोगों ने चोर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 8.20 बजे एक युवक बड़ा बाजार क्षेत्र में स्थित रज्जू नायक किराना दुकान पर पहुंचा। ग्राहकों की भीड़ के बीच वह दुकान के आसपास घूमता रहा।

चावल की बोरी लेकर भागते दिखा चोर: जैसे ही दुकानदार ग्राहकों को सामान देने में व्यस्त हुए तो बदमाश मौका पाकर चावल की बोरी लेकर भाग गया। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। सीसीटीवी फुटेज में बदमाश दुकान से बोरी लेकर जाते हुए नजर आ रहा है। वारदात के बाद वह कुछ दूरी पर स्थित चंद्रा ज्वेलर्स पर

पहुंचा। जहां से सोना-चांदी तौलने वाला कांटा उठाकर ले जाने लगा। तभी दुकानदार ने उसे पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

दूसरी बार चोरी करते समय पकड़ाया: लोगों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मोतीनगर पुलिस चोर को थाने लेकर पहुंची है। जहां उससे पूछताछ की जा रही है। मामले में दुकानदारों ने थाने पहुंचकर शिकायत की है। किराना दुकान के संचालक श्रीराम गुप्ता ने बताया कि गोपालगंज क्षेत्र का रहने वाला युवक दुकान से चावल की बोरी चुराकर ले गया था। वह सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। इसके बाद वह चंद्रा ज्वेलर्स से तौलकांटा चुराते समय पकड़ा गया। उसे पुलिस को सौंप दिया है। थाने में मामले की शिकायत की है।

पर्यटकों को भा रहा ग्रामीण पर्यटन, नर्मदा किनारे तीन गांव में तैयार 8 होम स्टे को हुए एक साल

खरगोन, एजेंसी। ग्रामीण पर्यटन, जिसे कभी मजाक और बेकार योजना कहा गया था, आज वही गांवों की तस्वीर बदल रहा है। नर्मदा किनारे बसे नावघाटखेडी, बोथू और केरियाखेड़ी गांव में जब एक साल पहले होम स्टे बनाने की योजना लागू हुई तो ग्रामीणों ने इसे हल्के में लिया। जिन परिवारों को होम स्टे के लिए चुना गया, वे गांव वालों के बीच हंसी का पात्र बने।

कारण साफ था क्योंकि जहां एक तरफ लोग कच्चे घर तोड़कर सीमेंट और कंक्रीट के पक्के मकान बना रहे थे, वहीं इन चुनिंदा परिवारों ने पुरानी लकड़ी, कवेलू और मिट्टी से नए घर खड़े किए। लेकिन तस्वीर धीरे-धीरे बदली। जब शहरों से, फिर विदेशों से सैलानी इन गांवों के कच्चे मकानों में ठहरने लगे, तब मजाक करने वाले ग्रामीण ही दंग रह गए।

आज हालात यह हैं कि नर्मदा तट के इन गांवों के होम स्टे चर्चा का विषय बन गए हैं और आसपास के अन्य गांवों के लोग भी अपने घरों को होम स्टे में बदलने के लिए प्रशासन से मांग कर रहे हैं। जिले में

ग्रामीण पर्यटन योजना के तहत नावघाटखेड़ी, बोथू और केरियाखेड़ी गांव का चयन किया था। जिसमें 16 होम स्टे निर्माण का लक्ष्य था। 8 होम स्टे तैयार हो चुके हैं व 8 का काम जारी है। जिपं सीईओ आकाश सिंह ने बताया इस परियोजना में हितग्राही को 2 से 3 लाख रुपए तक की अनुदान राशि दी गई है। होनर शाला संस्था द्वारा निमाड़ की स्थानीय वास्तु कला को देखकर उसी के अनुसार होम स्टे के मकानों को डिजाइन किया है। संस्था द्वारा कम से कम सामान में अच्छे से मकान बनाकर दे रही है। संस्था प्रकृति हो ध्यान में रखते हुए पर्यावरण हितैषी पर्यटन को बढ़ाया दिया जा रहा है।

जिला पुरातत्व पर्यटन व संस्कृति परिषद के नीरज अमझरे और बकरी छाप विलेज होम स्टे निर्माण परियोजना प्रमुख दीपक दुबे ने जिन गांव का चयन किया गया है वहां शुरुआती दौर में कोई भी ग्रामीण इस योजना से जुड़ना नहीं चाहता था।

पहले उन्हें मानसिक रूप से तैयार कर अन्य राज्यों में चल रहे होम स्टे का विजिट कराया गया। उसके बाद उन्हें इसके संचालन की ट्रेनिंग भी दी गई। अब परियोजना के सार्थक परिणाम आने लगे हैं। कसरावद, मातमुर, डोगरगांव, जलकोठी, सायता सहित नर्मदातट स्थित गांव के लोग भी इस योजना से जुड़ने की मांग कर रहे हैं।

1 साल में 120 दिन से अधिक बुक रहे होम स्टे: परियोजना प्रमुख दुबे ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित होम स्टे में रुकने के लिए पर्यटकों को ऑनलाइन बुकिंग कर रहे हैं। पिछले एक साल के दौरान इन होम स्टे में 120 से अधिक दिनों के लिए पर्यटकों की बुकिंग हो चुकी है। इनमें उत्तराखंड, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, यूपी, छत्तीसगढ़ राज्यों के साथ ही विदेशों से एनआरआई भी आ कर रुक चुके हैं। बोथू होम स्टे संचालक जयपाल सिंह ने बताया कि एक साल में उनके होम स्टे में 90 पर्यटक आए। उनसे करीब 2 लाख रुपए की आमदनी हुई। वे पर्यटकों को 60 प्रकार का निमाड़ी भोजन भी कराते हैं। देश-विदेश के पर्यटकों के गांव में आने से ग्रामीणों को भी रोजगार मिल रहा है। ट्ट्नर्मदा नदी किनारे के गांव का चयन इस योजना के लिए किया गया है, ताकि क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों को इस योजना के माध्यम से बेहतर रोजगार मिल सके। होम स्टे निर्माण से जिले के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सीहोर जिले में मानसून सक्रिय कई जगह तेज बारिश

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले में बीते 24 घंटों में मानसून सक्रिय रहा और जिले के अलग-अलग हिस्सों में तेज बारिश हुई। बुधनी में सबसे ज्यादा 54 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा मौसम विभाग के अनुसार, भेरूंदा में 43 मिमी, रेहटी में 41 मिमी, आष्टा में 30 मिमी, जावर में 18 मिमी और सीहोर में 15 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। श्यामपुर में हल्की बारिश 5 मिमी रही।

पिछले साल की तुलना ज्यादा बारिश: इस मानसून सीजन में अब तक जिले में कुल 1042 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। पिछले साल इसी समय तक जिले में कुल 1104 मिमी बारिश हुई थी, जो इस साल की तुलना में थोड़ा ज्यादा थी।

शासकीय कृषि कॉलेज स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएस तोमर ने बताया कि जिले में आज भी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने लोगों से कहा कि मौसम में बदलाव को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सावधानी बरतें। बीती रात अचानक हुई तेज बारिश के बावजूद जिले में नवरात्रि के अवसर पर चल रहे धार्मिक कार्यक्रमों पर खास असर नहीं पड़ा। श्रद्धालु बारिश के बीच भी उत्साह के साथ पूजा-पाठ और आयोजन में शामिल होते रहे।

आने वाले दिनों में ऐसा रहेगा मौसम: मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी जिले के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का अनुमान जताया है।

बुरहानपुर में ट्रैफिक पुलिस ने चलाया अतिक्रमण विरोधी अभियान

बुरहानपुर,एजेंसी।बुरहानपुर में शनिवार दोपहर ट्रैफिक पुलिस ने शहरभर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे दुकान लगाने वाले हाथ ठेला दुकानदारों को हटाया गया और नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। यह अभियान शहर के 8 प्रमुख स्थानों पर चलाया गया। अतिक्रमण अभियान की शुरुआत शहर के मुख्य चौराहे से हुई, जिसके बाद जय स्तंभ, मंडी चौक, सुभाष चौक, गांधी चौक, फूल चौक, कमल चौक, शिवकुमार सिंह प्रतिमा और अंकिता टॉकीज के पास से अतिक्रमण हटाया गया। टीम ने दुकान संचालकों और हाथ ठेला लगाने वाले दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी। दुकानों के बाहर रखा

सामान भी अंदर करवाया गया। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार पाटीदार ने इस अभियान के लिए पुलिस टीम को निर्देश दिए थे। यातायात थाना प्रभारी राजेश बारवाल ने बताया कि पुलिस बल ने नगर निगम की टीम के साथ मिलकर इन 8 स्थानों से अतिक्रमण हटवाया।

पुलिस ने आमजन से अपील की कि वे सड़क किनारे या सड़क के सामने अतिक्रमण न करें और नो पार्किंग में वाहन खड़े न करें।

छतरपुर के बागेश्वर धाम में नवरात्रि में भक्तों की भीड़

पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री कर रहे देवी महिमा का वर्णन; रामलीला-भजनों की प्रस्तुति भी हो रही

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के बागेश्वर धाम में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर धार्मिक आयोजनों की धूम है। धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री नौ दिनों की साधना में लीन हैं। वे प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक श्रद्धालुओं को देवी महिमा का श्रवण करा रहे हैं। हजारों की संख्या में भक्त दर्शन के लिए उपस्थित हो रहे हैं।

शनिवार को धीरेंद्र शास्त्री ने माता कात्यायनी के स्वरूप का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि माता कात्यायनी अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की दात्री हैं। जो साधक इन चारों पुरुषार्थों की कामना करता है, उसे कात्यायनी माता की आराधना करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि परमात्मा के भरोसे चलने वालों

की व्यवस्था स्वयं परमात्मा करते हैं। इस अवसर पर अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास भी मंच पर मौजूद रहे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने बालाजी का पूजन कर धीरेंद्र शास्त्री से आशीर्वाद लिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर ने सनातन की ध्वजा उठाकर हिंदू राष्ट्र की स्थापना का संकल्प लिया है। साध्वी ने इसे हनुमान जी की कृपा से अवश्य सफल होने वाला कार्य बताया।

दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने मंच से देवी भजनों की प्रस्तुति दी। उनके गीतों से श्रद्धालु भावविभोर हो गए। तिवारी ने कहा कि हनुमान जी की कृपा से बागेश्वर महाराज को पूरी दुनिया बुला रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जहां भगवा वस्त्र ले जाना मना था, उस दुबई में भी महाराज जी सत्संग करके आए हैं।

बनारस से आए ब्राह्मणों द्वारा शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इसके सातवें दिन नर्मदापुरम कमिश्नर उमाकांत उमराव ने अपनी पत्नी के साथ आहुतियां दीं। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने भी पूजा-अर्चना कर यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं। रात्रि के समय रामलीला का मंचन भी किया जा रहा है। इसमें श्रीराम विवाह, वनवास और केवट संवाद जैसी लीलाओं का प्रदर्शन किया गया। कलाकारों ने अपनी कला से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की हार, ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम ने 0-5 से हराया

कैनबरा, एजेंसी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा अब तक निराशाजनक रहा है। पहले मैच में हार का सामना करने वाली भारतीय टीम को अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर 21 टीम से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने शुरू से ही अपने आक्रामक इरादे दिखाए। मकायला जोन्स ने 10वें और 11वें मिनट में गोल करते हुए टीम को 0-2 से मजबूत बढ़त दिला दी।

दूसरे क्वार्टर में भारतीय डिफेंस अच्छा प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया को कोई भी गोल नहीं करने दिया। भारतीय टीम ने भी आक्रामक प्रयास किए, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली।

दूसरे हाफ में, ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दबाव बनाए रखा और मौकों का पूरा फायदा उठाया। सामी लव (38वें मिनट) ने फील्ड गोल करके बढ़त को और मजबूत किया और स्कोर 0-3 कर दिया। चौथे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने मिगालिया हॉवेल ने 50वें मिनट, मकायला जोन्स ने 52वें मिनट में गोल कर मैच अपनी झोली में डाल लिया।

भारतीय टीम को अपने पहले मैच में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत का अगला मुकाबला 29 सितंबर को इसी मैदान पर ऑस्ट्रेलियाई अंडर-21 टीम से होगा।

अपने शुरुआती दो मैचों में हार के बाद भारतीय जूनियर महिला टीम अब फिर से संगठित होने और आगामी मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने का लक्ष्य रखेगी। यह मौजूदा दौरा एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 की तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विश्व कप का आयोजन इसी साल दिसंबर में चिली के सैंटियागो में होना है।

जम्मू की शीतल देवी ने दुनिया की नंबर एक तीरंदाज़ को हराकर पैरालंपिक इतिहास रच दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के ग्वांग्जू में जारी विश्व तीरंदाज़ी पैरा चैंपियनशिप 2025 में भारत की 18 वर्षीय शीतल देवी ने महिला कम्पाउंड ओपन फ़ाइनल में तुर्की की दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज़ ओजनूर क्यूर गिर्डी को 146-143 से हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया।

शीतल देवी ने इस चैंपियनशिप में कुल तीन मेडल अपने नाम किए हैं। उन्होंने पहले कंपाउंड महिला ओपन टीम वर्ग में सरिता के साथ सिल्वर मेडल जीता और कंपाउंड मिक्स्ड टीम स्पर्धा में तोमन कुमार के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल भी हासिल किया। फ़रवरी 2025 में शीतल को बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ़ द ईयर 2024 और बीबीसी इमर्जिंग प्लेयर ऑफ़ द ईयर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था, यह अवॉर्ड उन्हें भारत की सबसे कम उम्र की पैरालंपिक पदक विजेता बनने के लिए दिया गया। शीतल देवी ने साबित कर दिया कि किसी भी चुनौती को पार करने का जज़्बा और लगन हो तो असंभव भी संभव बन सकता है। भारत के लिए ये गौरव का पल है।

DPS चंडीगढ़ को अंडर-17 इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरा स्थान

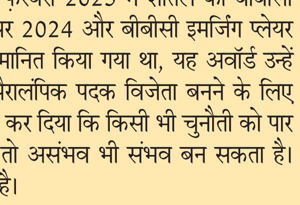

चंडीगढ़, एजेंसी। डीपीएस चंडीगढ़ की अंडर-17 बॉयज़ क्रिकेट टीम ने शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित यूटी इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। यह प्रतियोगिता 27 अगस्त से 25 सितम्बर 2025 तक जीएमएसएसएस-26 टीएम में आयोजित हुई। स्कूल टीम का नेतृत्व आयुष खुराना (कप्तान) और वैभव (उपकप्तान) ने किया। टीम में हर्षिल सैनी, साई अर्पित गर्ग, दैविक मलिक, साहिबजोत सिंह, साहिबवीर कम्बोज, ऑस्टिन शर्मा, उदयवीर अरोड़ा, वंश कबीर चौहान, भाविक कंगेर, त्रिस गिल, वीराज चंदेल, विहान कक्कर, रूपक्ष चौहान और अयान सिंगला शामिल रहे।

गोल्डन बॉय अभिनव बिंद्रा :

अपने ही घर पर बनाई शूटिंग रेंज, ओलंपिक गोल्ड जीतकर रचा था इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के महान निशानेबाज अभिनव बिंद्रा 2008 बीजिंग ओलंपिक में देश को गोल्ड मेडल दिला चुके हैं। अभिनव ओलंपिक में व्यक्तिगत गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय हैं, जिन्होंने कई वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियन गेम्स में देश का परचम लहराया।

शूटिंग एक महंगा खेल है। इसके बावजूद इस खेल में बेटे की रुचि देखते हुए पिता अपजीत बिंद्रा ने अपना काफी पैसा लगाया। उन्होंने घर में ही अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार शूटिंग रेंज बनवाई, ताकि बेटे को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। आने-जाने में बेटे का वक्त खराब न हो। जर्मनी से कुछ उपकरण भी मंगाए गए।

जब अभिनव बिंद्रा महज 15 साल के थे, उन्होंने 1998 में कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लिया। वह साल 2000 में सिडनी ओलंपिक के दौरान सबसे कम उम्र के भारतीय प्रतिभागी थे।

साल 2000 में अभिनव बिंद्रा को अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया। एक साल बाद उन्हें राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उस समय अभिनव यह अवॉर्ड पाने वाले सबसे युवा एथलीट थे।

इसी साल उन्होंने अलग-अलग स्पर्धाओं में देश के लिए 6 गोल्ड जीते। साल 2002 में युवा अभिनव ने 2002 कॉमनवेल्थ गेम्स की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में गोल्ड और सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

2004 एथेंस ओलंपिक में उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड स्थापित किया था, लेकिन फाइनल में अपना प्रदर्शन बरकरार नहीं रख सके। चोटिल होने के चलते अभिनव बिंद्रा करीब एक साल इस खेल से दूर रहे। इसके बाद साल 2006 में शानदार वापसी करते हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल पर निशाना साधा।

2008 बीजिंग ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के बाद अभिनव बिंद्रा ने अपनी तैयारियां शुरू कर दीं। ये बेहद रोचक बात है कि ओलंपिक से करीब एक हफ्ते पहले सलाहकार कोच यूवे रिस्तेरर से अभिनव बिंद्रा ने कमांडो ट्रेनिंग तक ली थी। यूवे रिस्तेरर खुद एक पूर्व कमांडो थे।

अभिनव बिंद्रा ने चंडीगढ़ में एक मैरिज हॉल किराए पर लिया और उसमें शूटिंग रेंज स्थापित करते हुए जमकर ट्रेनिंग की। आखिरकार मेहनत रंग लाई और उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में बेहद करीबी अंतर के साथ गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया।

गोल्डन ब्वॉय को साल 2009 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। साल 2010 में अभिनव बिंद्रा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गगन नारंग के साथ 10 मीटर युगल स्पर्धा में गोल्ड जीता। इसके अलावा, व्यक्तिगत स्पर्धा में सिल्वर मेडल पर निशाना साधा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में उन्होंने एक और गोल्ड अपने नाम किया। इसी साल एशियन गेम्स में दो ब्रॉन्ज जीते, जिसके साथ 2016 रियो ओलंपिक का टिकट हासिल किया। अभिनव बिंद्रा अपने अंतिम ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे।

शूटिंग से संन्यास के बाद अभिनव बिंद्रा ने बिजनेस पर फोकस करना शुरू किया। उन्होंने कोलोराडो यूनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन नाम से एक एनजीओ शुरू किया, जिसका उद्देश्य एथलीट्स को निखारना था।

अंतरराष्ट्रीय खेल शूटिंग महासंघ और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के एथलीट आयोग का हिस्सा रहे अभिनव बिंद्रा ने भारतीय शूटिंग को नई पहचान और दिशा देने में अहम भूमिका निभाई। अभिनव ने अपनी मेहनत और अनुशासन से युवा निशानेबाजों को प्रेरित किया है। उनके प्रयासों ने भारत में शूटिंग को लोकप्रिय बनाते हुए आधुनिक सुविधाओं की जरूरत को बढ़ावा दिया है।

हमारे पास विश्व कप जीत इतिहास रचने का मौका - हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वनडे विश्व कप का आगाज 30 सितंबर से हो रहा है। मैच भारत और श्रीलंका में खेले जाएंगे। मेजबान होने के नाते भारतीय टीम के पास विश्व कप जीतने का मौका है और इस बात को कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी स्वीकार किया है।

शनिवार को आईसीसी के एक कॉलम में हरमनप्रीत ने लिखा, 卐घरेलू विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करना, एक बड़ा सम्मान है। हम ट्रॉफी जीतने की ख्वाहिश रखते हैं और इस टूर्नामेंट को यादगार बनाने के लिए पूरी तरह से प्रेरित हैं।

भारतीय कप्तान ने लिखा, विश्व कप की तैयारी का हमारा सफर समृद्ध रहा है। पिछले कुछ समय से टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इससे हमारे अंदर आईसीसी ट्रॉफी जीतने की ललक जगी है। हम बड़ी छलांग लगाना चाहते हैं और आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप जीतना चाहते हैं।

प्रतियोगिता हमेशा की तरह कड़ी है, लेकिन टीम को अपने कौशल, तैयारियों और किसी भी चुनौती से पार पाने का भरोसा है। घरेलू और बाहरी मैदानों पर खेले गए हालिया नतीजे भी टीम के लिए उत्साहजनक रहे हैं। हम विश्व कप में इस लय को बरकरार रखने के लिए उत्सुक हैं।

हरमनप्रीत ने लिखा, हमारी विश्व कप टीम में सभी विभागों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीका रावल, ऋचा घोष और उमा छेत्री जैसी बल्लेबाजी प्रतिभाएं टीम में मौजूद हैं। गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली है, जिसमें रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी के साथ युवा और होनहार क्रांति गौड़, एन. श्री चरणी और राधा यादव भी हैं। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और अमनजोत कौर जैसे तीन ऑलराउंडर भी हैं, जो खेल का रुख भारत के पक्ष में मोड़ सकते हैं। उन्होंने विश्व कप में भारतीय टीम के अभियान में सपोर्ट स्टाफ की भूमिका और फैंस के उत्साह और समर्थन को भी अहम बताया।

पुरुष उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2025

देहरादून वॉरियर्स और ऋषिकेश फाल्कन्स ने टूर्नामेंट के पहले मैच में जीत दर्ज की

देहरादून, एजेंसी। कई दिनों की उत्सुकता के बाद, पुरुष उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2025 का आगाज प्रशंसकों के लिए ट्रिपल-हेडर के साथ हुआ। टूर्नामेंट के पहले मैच में, वॉरियर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 162/9 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया, और फिर इंडियंस को एक रोमांचक मुकाबले में 146/9 पर रोक दिया, जिसने राज्य की प्रमुख टी20 प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण के रोमांचक आयोजन की नींव रखी।

सागर रावत ने 23 गेंदों में 38 रनों की पारी खेलकर स्थिति को संभाला और फिर हर्षित पालीवाल ने अंत में शानदार प्रदर्शन किया। पालीवाल की अंतिम ओवरों में 16 गेंदों में 28 रनों की प्रभावशाली पारी की बदौलत वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 9 विकेट पर 162 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। इंडियंस के लिए, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज राजन कुमार ने 18 रन देकर 3 विकेट लिए।

यू.एस.एन. इंडियंस, जिसने पहला यूपीएल खिताब जीता था, पसंदीदा के रूप में उतरी थी, लेकिन वॉरियर्स का गेंदबाजी आक्रमण उन्हें बहुत अनुशासित लगा। उन्होंने एक निराशाजनक पावरप्ले में कुछ विकेट गंवा दिए। उनका मध्यक्रम अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने के लिए संघर्ष करता रहा और वॉरियर्स की स्पिन और तेज़ गेंदबाज़ी के शानदार मिश्रण के सामने लड़खड़ा गया। 15वें ओवर में 92 रन पर छह विकेट गंवाने के बाद, लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम मुश्किल में थी, लेकिन वंशराज चौहान की 16 गेंदों में 38 रनों की तूफानी पारी ने उन्हें 140 के पार पहुँचा दिया। हालाँकि, यह बहुत देर से किया गया कदम था जो उन्हें अंतिम रेखा तक पहुँचाने के लिए काफी था। सागर रावत को प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया।

मैच 2: टिहरी टाइटन्स बनाम ऋषिकेश फाल्कन्स

टूर्नामेंट के दूसरे मैच के दोपहर के मुकाबले में टिहरी टाइटन्स का मुकाबला ऋषिकेश फाल्कन्स से हुआ। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पहले बल्लेबाजी करने का टाइटन्स का फैसला नुकसानदेह साबित हुआ क्योंकि ऋषिकेश के तेज गेंदबाज़ी आक्रमण ने उनके बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। निखिल पुंडीर, अग्रिम तिवारी और जगमोहन नागरकोटी की गेंदबाज़ी तिकड़ी ने टिहरी के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया और चौथे ओवर में उनका स्कोर 11/3 हो गया। हालांकि, अनिकेत मलिक के 40 गेंदों पर 38 रनों की संयमित पारी की बदौलत मध्यक्रम ने अठारहवें ओवर तक 103/7 का स्कोर हासिल कर लिया।

निचले क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी ने टिहरी को 112/9 पर रोक दिया। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए, ऋषिकेश ने अभ्युदय भटनागर और एलन चेतन के बीच 38 रनों की तेज़ ओपनिंग साझेदारी के साथ आत्मविश्वास से शुरुआत की, लेकिन आर्यन शर्मा ने तीसरे ओवर में चेतन को आउट कर दिया। इसके बाद पूर्वांश ध्रुव ने सलामी बल्लेबाज भटनागर का साथ दिया, जिन्होंने 18 गेंदों में पाँच छक्कों सहित 39 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर ऋषिकेश को पावरप्ले में 70 रन तक पहुँचाया। पूरे लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटन्स का गेंदबाजी आक्रमण अप्रभावी रहा।

अखिल सिंह रावत और पूर्वांश ध्रुव ने सतर्कता और आक्रामकता का संयोजन करते हुए तीसरे विकेट के लिए 64 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिससे ऋषिकेश ने मात्र 12.2 ओवर में आठ विकेट से शानदार जीत हासिल की। जगमोहन नागरकोटी को 13 रन देकर 3 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। इस शानदार जीत ने ऋषिकेश फाल्कन्स को न केवल अपनी पहली जीत दिलाई, बल्कि नेट रन-रेट में भी महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई।

आईपीएल 2026 - राजस्थान रॉयल्स ने फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक से नाता तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने लंबे समय से फील्डिंग कोच के रूप में काम कर रहे दिशांत याग्निक से नाता तोड़ लिया है।

याग्निक से पहले आरआर और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के भी रास्ते अलग हो गए थे। टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम को अपनी कोचिंग में चैंपियन बनाने के बाद द्रविड़ आरआर के मुख्य कोच बने थे। माना जा रहा था कि आरआर के कोच के रूप में उनका कार्यकाल लंबा होगा, लेकिन हाल ही में उन्होंने मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था। राहुल की कोचिंग में आरआर का 2025 में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था और टीम में फूट की खबर भी आई थी। आरआर 2025 में लीग चरण के 14 मैचों में चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी। याग्निक अब आगामी घरेलू सत्र में जम्मू और कश्मीर टीम के क्षेत्ररक्षण कोच के रूप में काम करने पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। पिछले सीजन में, वह कोचिंग स्टाफ के प्रमुख सदस्यों में से एक थे, जिसमें जम्मू और कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। राहुल द्रविड़ और दिशांत याग्निक के बाद अगले सीजन से पहले आरआर फ्रेंचाइजी से अलग होने वाले कई और नाम सामने आ सकते हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम कप्तान संजू सैमसन का है। माना जा रहा है कि सैमसन टीम मैनेजमेंट से असंतुष्ट हैं और नीलामी से पहले टीम से अलग हो सकते हैं।

विश्व कैडेट शतरंज : भारत के सरबरथों मनि के कदम विश्व खिताब की ओर

अलमाटी, एजेंसी। कज़ाकिस्तान भारत के 9 वर्षीय उभरते शतरंज खिलाड़ी सरबरथों मनि अपने खेल जीवन के पहले विश्व खिताब की ओर बढ़ रहे है । विश्व कैडेट चैंपियनशिप में सरबरथों अंडर 10 बालक वर्ग में खेल रहे है और 11 राउंड की इस स्पर्धा में 8 राउंड के बाद अपराजित रहते हुए छह जीत और 2 ड्रॉ के परिणाम हासिल करते हुए 7 अंक बनाकर एकल बढ़त पर चल रहे है । सरबरथों नें छठे राउंड में चीन के बाई श्युएन पर शानदार जीत अर्ज की थी और उसके बाद चीन के युआन शुनझे से , कज़ाकिस्तान के अरलन मिर्ज़ूहनोव से ड्रॉ खेला है जबकि कल उनका सामना रूस के ऐडन गफ़ूरोव से होगा जो की निर्णायक हो सकता है ।

अंडर 10 बालिका वर्ग में भी भारत की एएस शरवानिका 7 अंक बनाकर मंगोलिया की चिंजोरीग के साथ सयुंक्त बढ़त पर है और हम यहाँ से भी एक विश्व खिताब की उम्मीद कर सकते है ।

अंडर 12 बालक वर्ग में भारत के माधवेन्द्र प्रताप शर्मा 9 राउंड के बाद माधवेन्द्र 6 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर चल रहे है जबकि अंडर 12 बालिका वर्ग में प्रतीती बोरदोलोई 6 अंक बनाकर सयुंक्त तीसरे स्थान पर चल रही है ।

भारत ने 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान को दूसरी बार हराया, दर्ज की शानदार जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान की खेलों की दुनिया में प्रतिद्वंदिता किसी से छुपी नहीं है। चाहे क्रिकेट का मैदान हो या फुटबॉल का। एक तरफ दुबई में एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया, तो दूसरी तरफ श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन (स्स्नस्न) अंडर-17 चैंपियनशिप में भारतीय युवा फुटबॉलरों ने पाकिस्तान पर 3-2 से जीत दर्ज की। इन दोनों जीत ने साबित कर दिया कि भारत हर मैदान पर पाकिस्तान पर भारी पड़ रहा है। सोमवार 22 सितंबर को कोलंबो में खेले गए स्स्नस्न अंडर-17 चैंपियनशिप के ग्रुप बी मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से हराकर अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने आक्रामक रवैया दिखाया। 31वें मिनट में डलालमुओं गंगटे ने गोल दागकर टीम इंडिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि पाकिस्तान ने 43वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

पीकेएल-12 : धाकड़ देवांक का लगातार 8वां सुपर-10

बंगाल वॉरियर्स ने पटना पायरेट्स को 6 प्वाइंट्स से हराया

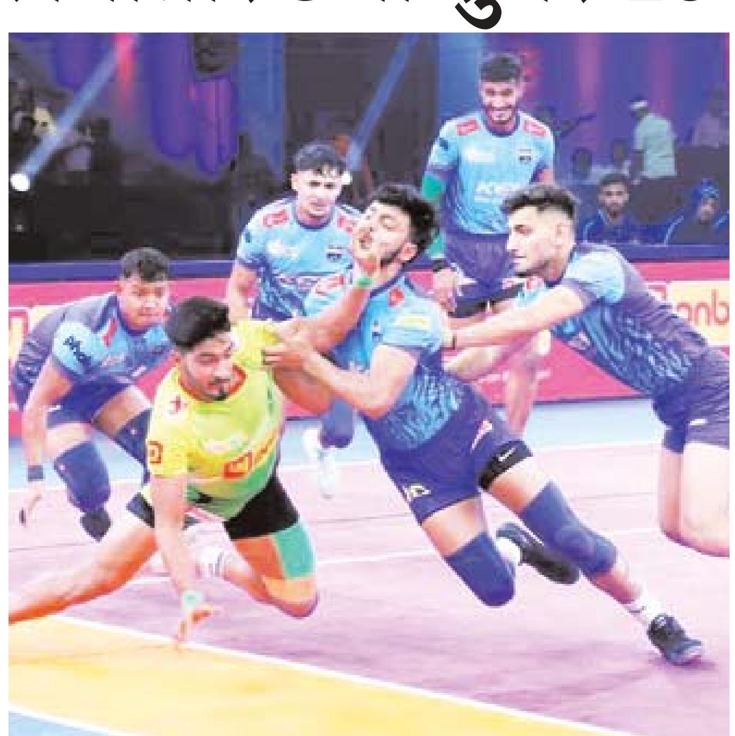

जयपुर, एजेंसी। कप्तान देवांक (22 प्वाइंट) के धमाकेदार प्रदर्शन की बदौलत बंगाल वॉरियर्स ने शनिवार को यहां सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 51वें मैच में पटना पायरेट्स को 48-42 से हरा दिया। बंगाल वॉरियर्स की आठ मैचों में यह तीसरी जीत है और टीम अब 13 अंक लेकर नौवें नंबर पर पहुंच गई है। पटना पायरेट्स को आठ मैचों में छठी हार का मुंह देखना पड़ा है।

मुकाबले में बंगाल वॉरियर्स के लिए देवांक दलाल और पटना पायरेट्स के लिए माइटी मनिंदर सिंह ने अपनी-अपनी पूर्व टीम के खिलाफ मल्टी प्वाइंट्स लेकर शानदार शुरुआत की। इसके बाद अयान ने सातवें मिनट में मल्टी प्वाइंट लेकर बंगाल वॉरियर्स को ऑलआउट कर दिया और स्कोर को 13-8 तक पहुंचा दिया। इस तरह पटना की टीम पहले 10 मिनट के खेल में 16-11 से आगे हो गई। बंगाल के लिए कप्तान देवांक ने डू ऑर डाई में तीन अंक लेकर अपनी टीम की वापसी करानी शुरू कर दी। उन्होंने इसके साथ अपना लगातार आठवां सुपर-10 भी पूरा कर लिया। पटना पायरेट्स की टीम यहां से ऑलआउट की कगार पर पहुंच गई। अगली ही रेड में मनिंदर भी टैकल कर लिए गए और बंगाल ने पटना पायरेट्स को ऑलआउट करके स्कोर 19-19 की बराबरी पर पहुंचा दिया। धाकड़ देवांक ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में एक और सुपर रेड लगा दी और बंगाल को तीन अंक दिला दिए। इससे बंगाल वॉरियर्स की टीम पहले हाफ की समाप्ति तक 26-25 से आगे हो गई। खेल के पहले 20 मिनट में बंगाल वॉरियर्स के कप्तान देवांक दलाल का भौकाल देखने को मिला और उन्होंने 15 अंक अर्जित किए।

दूसरा हाफ शुरू होने के बाद पटना पायरेट्स ने एक बार फिर से 27-27 की बराबरी हासिल कर ली। पटना के लिए अयान ने अपना चौथा सुपर-10 पूरा कर लिया। उन्होंने अपनी अगली रेड में भी सुपर रेड लगाकर 35वें मिनट तक पटना पायरेट्स को बराबरी पर रोके रखा।

मैच के 30वें मिनट तक भी दोनों ही टीमें लगभग बराबरी पर चल रही थी। लेकिन पटना के लिए मनिंदर सिंह ने सुपर रेड लगाकर अपने करियर का 80वां सुपर-10 पूरा कर लिया। 36वें मिनट में पटना ने देवांक को सुपर टैकल करके मैच में वापसी कर ली और स्कोर को 39-39 से बराबरी कर दी।

बंगाल और पटना के बीच खेल के अंतिम मिनटों में कांटे की टक्कर देखने को मिली। बंगाल के लिए जहां डिफेंस अंक बटोर रहा था तो वहीं पटना के लिए अयान अंक लेकर आ रहे थे। कांटे की इस मुकाबले में 39वें मिनट में हिमांशु नरवाल ने सुपर रेड लगा दी और पटना को ऑलआउट कर दिया। इसके साथ ही बंगाल की टीम 44-41 से आगे हो गई। बंगाल ने इसके बाद चार अंक और लेकर 48-42 से मैच को।

गली में 4घंटे लेटा रहा शख्स, सड़क निर्माण की मांग

लोग बोले- मुख्य मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे, डस्ट डालकर खानापूर्ति कर रहे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चेम्बर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष गली में सड़क न डालने पर नाराज होकर 4 घंटे लेटे रहे। नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर ने आकर आश्वासन दिया तब वह उठे। अब 15 अक्टूबर तक सड़क डाली जाएगी। विवेक अग्रवाल गली में हो रहे गड्ढों पर डस्ट डालने पर नाराज हुए। आरोप लगाया कि नगर निगम से कई बार शिकायत के बाद भी उन्होंने सड़क नहीं बनवाई। स्थानीय लोगों ने भी बनने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

विवेक अग्रवाल सतना चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष और पूर्व भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य हैं। वह लंबे समय से नगर निगम से इस सड़क के निर्माण की मांग कर रहे थे। उनका कहना है कि यह सड़क शहर के व्यस्त मार्गों में से एक है, लेकिन जगह-जगह गड्ढों के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है।

डस्ट डालने पहुंचा था अमला: दरअसल रविवार को जब नगर निगम का अमला सड़क निर्माण के नाम पर केवल डस्ट भरने पहुंचा, तो विवेक अग्रवाल ने इसका कड़ा विरोध किया। उन्होंने निगम की इस कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए सड़क पर लेटकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

बोले- भ्रष्टाचार का विरोध करता हूं इसलिए नहीं हो रहा निर्माण: देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने भी नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि नगर निगम में होने वाले भ्रष्टाचारों का वह हमेशा विरोध करते रहे हैं, जिसके कारण उनके घर के सामने की सड़क का निर्माण नहीं किया जा रहा है।

सूचना मिलने पर कई भाजपा नेता मौके पर पहुंचे और उन्होंने विवेक अग्रवाल को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, अग्रवाल अपनी मांग पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि केवल डस्ट डालने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा, बल्कि सड़क कुछ ही दिनों में फिर से खराब हो जाएगी। उन्होंने नगर निगम से स्थायी और गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण की मांग की है।

डिप्टी कमिश्नर के आश्वासन पर माने: करीब 4 घंटे तक विवेक अग्रवाल तक जमीन पर लेटे रहे। इसके बाद नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर सत्यम मिश्रा ने मौके पर पहुंचे। उन्होंने विवेक अग्रवाल से बातचीत कर उनका प्रदर्शन समाप्त कराया। डिप्टी कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि 15 अक्टूबर से सड़क निर्माण का काम चालू हो जाएगा।

मॉर्निंग वॉक पर निकली नायब तहसीलदार की पत्नी के साथ लूट की घटना से कानून व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद में हाल ही में हुई एक लूट की घटना ने स्थानीय कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नायब तहसीलदार की पत्नी जब मॉर्निंग वॉक पर निकलीं, तब उनके साथ यह घटना हुई। यह घटना नागौद पुलिस की सक्रियता का जीता-जागता उदाहरण है।

इस घटना से यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब कस्बाई क्षेत्र में इस प्रकार की अराजकता का माहौल है, तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति क्या होगी। नागौद पुलिस के जिम्मेदार अधिकारी इस मामले पर बात करने से बच रहे हैं, लेकिन क्या महज मीडिया से बात न करने से यह मामला दब जाएगा?

यह पहली बार नहीं है जब नागौद में इस प्रकार की घटना हुई है। अराजकता की घटनाएं नागौद क्षेत्र में बढ़ती जा रही हैं, जिससे स्थानीय निवासियों में भय और असुरक्षा की भावना व्याप्त हो रही है।

बिरसा मुण्डा स्वरोजगार एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार सदस्यों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर के लिए भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक द्वारा बताया गया कि टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक ऋण एवं 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान 5 वर्ष तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जायेगा एवं गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय होगी। स्वरोजगार योजना के लिए आवेदक जिले का निवासी हो, आवेदक अनुसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य हो, आवेदक की आयु 18 से 55 वर्ष के मध्य होना चाहिए। आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केन्द्र सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही न हो। आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो।

इसी प्रकार भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत एक लाख से 50 लाख रुपये तक की परियोजनायें एवं सेवा इकाई व खुदरा व्यवसाय हेतु 1 लाख से 25 लाख रूपये तक का होगा। इसमें आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष, आवेदक 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक न हो और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो।

रामनगर में दो मोटरसाइकिलों की सीधी भिड़ंत, दो की मौके पर मौत; तीन घायलों की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों की सीधी टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना चंदवार पटना मोड़ के पास हुई। जानकारी के अनुसार, अमित पटेल अपने साले संदीप साकेत (निवासी भेड़ा, मैहर) और रवि साकेत (निवासी मिरगौती) के साथ होंडा साइन बाइक से भेड़ा गांव से मिरगौती जा रहे थे।

इसी दौरान सामने से गोरसरी की ओर से आ रही एक अन्य बाइक से उनकी टक्कर हो गई। दूसरी बाइक में संजय अग्रहरि (निवासी अधारकाप, कटनी) और प्रमोद उर्मलिया (निवासी कटनी) सवार थे।

टक्कर इतनी भीषण थी कि रवि साकेत और संजय अग्रहरि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घायलों में अमित पटेल, संदीप साकेत और प्रमोद उर्मलिया शामिल हैं। सभी घायलों को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही रामनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

बिजली गिरने से युवक घायल, परिजन ने सिविल अस्पताल में भर्ती कराया

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। ग्राम सरसा में रात करीब 8.30 बजे के आसपास तेज बारिश और गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसमें ग्राम के रहने वाले गिरधारी सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक गिरधारी सिंह उम्र 50 वर्ष छाता लेकर खेत की ओर जा रहे थे, तभी अचानक जोरदार धमाके के साथ बिजली उन पर गिरी। हादसे के बाद गिरधारी सिंह खेत के पास ही दर्द से तड़पते हुए गिर पड़े।

खेत के आसपास काम कर रहे लोगों ने उनकी चीखें सुनीं और मौके पर पहुंचकर देखा तो गिरधारी बेहोशी की हालत में पड़े थे। तुरंत ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी और उन्हें निजी वाहन से रात करीब 10 बजे मैहर सिविल अस्पताल लाया गया।

अस्पताल में गिरधारी का इलाज जारी है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में उनके पहने हुए कपड़े भी जलकर राख हो गए।

डुप्लीकेट मोबाइल बेचने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, महाराष्ट्र के युवक समेत 2 गिरफ्तार; बाइक-नकदी जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोलगवां पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया, जो डुप्लीकेट मोबाइल बेच रहे थे। आरोपियों में महाराष्ट्र का एक युवक भी शामिल है। उनके पास से दो बाइक और नकदी जब्त की गई।

पुलिस ने बताया कि 26 सितंबर को रामसुंदर तिवारी मोबाइल खरीदने गए थे। वहां दो युवक अलग-अलग बाइक पर आए और पैसों की जरूरत बताकर 5 हजार रुपए में ब्रांडेड कंपनी का मोबाइल बेचने का प्रस्ताव दिया।

ग्राहक ने बाद में देखा तो डुप्लीकेट निकला फोन: रामसुंदर ने पैसे देकर फोन खरीद लिया, लेकिन बाद में पता चला कि फोन डुप्लीकेट है। पीड़ित ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और खुद भी ठगों की तलाश की। कुछ घंटों बाद आरोपी देवा यादव (खंडवा) और रोशन जाधव (महाराष्ट्र) को बिरला रोड पर पकड़ लिया गया। पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार किया।

पुलिस ने उनके कब्जे से दो बाइक, मोबाइल और 5 हजार रुपए जब्त किए। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया।

कटनी से मैहर आ रही सुबेदारगंज ट्रेन पर पत्थर फेंका, खिड़की का कांच टूटा, एक बच्चे के सिर पर चोट लगी

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कटनी से मैहर आ रही एक सुबेदारगंज स्पेशल ट्रेन पर शनिवार शाम पत्थर से हमला किया गया। इस घटना में ट्रेन की खिड़की का कांच टूट गया और वहां बैठे एक बच्चे के सिर पर चोट लग गई। घायल बच्चे को इलाज के लिए मैहर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कटनी से मैहर जा रही सुबेदारगंज ट्रेन में मैहर निवासी एक परिवार यात्रा कर रहा था। परिवार के साथ रिहान नामक बच्चा खिड़की के पास बैठा था। परिजन के अनुसार, ट्रेन के कटनी प्लेटफॉर्म छोड़ने के कुछ ही देर बाद एक पत्थर खिड़की के शीशे से टकराया।

पत्थर ने शीशा तोड़ दिया और सीधे रिहान की बाईं आंख के ऊपर जा लगा, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद ट्रेन के डिब्बे में अफरा-तफरी मच गई। पास बैठे एक यात्री ने अपने कपड़े से रिहान की चोट को बांधा।

रिहान खून से लथपथ हो गया था। ट्रेन के मैहर पहुंचने पर परिजन उसे तुरंत मैहर सिविल अस्पताल ले गए, जहां डॉ. ज्ञानेश गौतम ने उसका इलाज किया।

अनुसूचित जाति के व्यक्ति स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना एवं संत रविदास स्व-रोजगार योजना संचालित की जा रही है। जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक डॉ. अरूण शुक्ला ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक एवं 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान अधिकतम 5 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर देय होगा। योजना के लिए आवेदक जिला का मूल निवासी होना अनिवार्य होगा। आवेदक की आयु 18 से 55 वर्ष, आवेदक आयकर दाता न हो, और पूर्व से शासकीय योजना का लाभ प्राप्त न किया हो। आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो।

इसी प्रकार संत रविदास स्व-रोजगार योजना के लिए आवेदक द्वारा उद्योग विनिर्माण इकाई के लिये एक लाख रूपये से 50 लाख रूपये तक की उद्योग परियोजनाएँ जैसे एग्रो प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। इसी प्रकार एक लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक का खुदरा व्यवसाय जैसे ब्यूटी पार्लर, वाहन मरम्मत, फुटवेयर मरम्मत, किराना व्यवसाय, कपड़ा व्यवसाय की स्थापना के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। यह वित्तीय सहायता 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दी जायेगी। इस योजना अंतर्गत आवेदन करने के लिये आवेदक की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष तक होना आवश्यक है तथा शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण हो। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपये से अधिक न हो। उसे जिले का निवासी होना चाहिए एवं जाति, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आय प्रमाण पत्र, पैनकार्ड के साथ समस्त पोर्टल से आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय पर जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति सतना से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सोशल मीडिया पर देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी का मामला

आरोपी भूपेंद्र कुशवाहा को गिरफ्तार कर भेजा जेल, स्क्रीनशॉट वायरल होने के बाद हुआ था हंगामा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में भूपेंद्र कुशवाहा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसे शनिवार शाम हिरासत में लिया और कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

यह कार्रवाई अरविंद गर्ग की शिकायत पर हुई। उन्होंने बताया कि भूपेंद्र कुशवाहा इंस्टाग्राम पर लगातार मनुस्मृति, भगवान विष्णु और माता दुर्गा के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां और धार्मिक आयोजनों के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट कर रहा था।

स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल: उसकी इन पोस्टों के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। सिंहपुर थाना प्रभारी अजय अहिरवार ने कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी काम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 299 के तहत मामला दर्ज किया है और उसे न्यायिक हिरासत में रखा गया है।

स्वच्छता ही सेवा- स्वच्छोत्सव अभियान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम सतना की आईईसी टीम द्वारा स्वच्छता ही सेवा - स्वच्छोत्सव अभियान के अंतर्गत दिनांक 28 सितम्बर 2025 को विभिन्न स्थानों में विशेष सफाई अभियान संचालित किए गए। सबसे पहले वार्ड क्रमांक 33 स्थित धवारी तालाब परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर स्वच्छता शपथ दिलवाकर लोगों को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके बाद वार्ड क्रमांक 41 स्थित विश्वास्त्रव सब्ज़ी मंडी में सफाई अभियान चलाया गया। टीम ने मंडी परिसर से कचरा हटाकर दुकानदारों और स्थानीय लोगों को गीले-सूखे कचरे का अलग-अलग निस्तारण करने तथा गंदगी न फैलाने के लिए जागरूक किया। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 31 स्थित साईं मंदिर परिसर में भी विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया। टीम ने मंदिर परिसर की सफाई कर श्रद्धालुओं और आस-पास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई और यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। इन अभियानों के माध्यम से नागरिकों को यह समझाया गया कि स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहर बनाने में सभी की भागीदारी आवश्यक है।

राज्यमंत्री ने भरजुना में मां काली माता के किये दर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने रविवार को सोहावल विकासखंड अंतर्गत भरजुना में मां काली माता के दर्शन कर पूजा अर्चना की। इस दौरान राज्यमंत्री बागरी ने प्रदेशवासियों की खुशहाली, समृद्धि एवं उन्नति के लिए कामना की।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683 प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।